RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, रविवार ●18 अगस्त , 2024 वर्षः-12 अंक-111 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

इस दिन नीला हो जाएगा चंद्रमा,होगी अनोखी खगोलीय घटना

रक्षाबंधन के दिन आसमान में दिखेगा सुपर ब्लूमून

वॉशिंगटन (एजेंसी)। खगोलीय घटनाओं में दिलचस्पी रखे वालों के लिए एक बेहद खास मौका आने वाला है। इस साल हमें चार सुपरमून दिखाई देंगे। उनमें से पहला हमें रक्षाबंधन के त्योहार के मौके पर दिखाई देगा। 19 अगस्त को दिखाई देने वाला यह चंद्रमा ब्लू मून भी होगा। सवाल उठता है कि आखिर ये चंद्रमा खास क्यों होगा और क्या नाम की ही तरह यह हमें नीला दिखाई देगा। चंद्रमा धरती का चक्कर लगाने के साथ ही धरती के नजदीक और दूर भी होता रहता है। सुपरमून तब होता है जब चंद्रमा पृथ्वी के 90 फीसदी से ज्यादा करीब होता है। सुपरमून शब्द का आविष्कार खगोलशास्त्री रिचर्ड नोले ने 1979 में किया था। पूर्ण सुपरमून को साल का सबसे चमकीला और सबसे बड़ा पूर्ण चंद्रमा माना जाता है। सामान्य चंद्रमा की तुलना में लगभग 30 फीसदी से ज्यादा यह चमकीला होता है और 14 फीसदी बड़ा दिखाई देता है। वहीं दूसरी तरफ ब्लू मून दो तरह के होते हैं और इनका नीले रंग से कोई लेना-देना नहीं होता। पहला ब्लू मून मौसमी होता है। इसमें एक ही मौसम में चार पूर्णिमा होती है। तीसरी पूर्णिमा को ब्लू मून कहा जाता है, जैसा हमें 19 अगस्त को दिखेगा। दूसरे प्रकार का ब्लू मून मासिक होता है। यह तब होता है जब एक ही महीने में दो पूर्णिमा आ जाए। ऐसे में दूसरी पूर्णिमा को ब्लू मून कहा जाएगा। पहली बार ब्लू मून को 1528 में दर्ज किया गया। ब्लू मून के नाम की उत्पत्ति एक पुराने वाक्यांश से मानी जाती है, जिसका अर्थ विश्वासघाती चंद्रमा है। 1940 के आसपास दो पूर्ण चंद्रमाओं वाले एक ही महीने की दूसरी पूर्णिमा को ब्लू मून कहा जाने लगा। 19 अगस्त के बाद अगली पूर्णिमा सितंबर और अक्टूबर में होगी। शोधकर्ताओं का कहना है कि ब्लू मून पूरी दुनिया में दिखाई देगा। हालांकि इसे देखने का समय अलग-अलग हो सकता है। 18,19 और 20 अगस्त को भी इसे देखा जा सकेगा। भारत में हम इसे 19 अगस्त की रात से 20 अगस्त को सूर्य निकलने से पहले देख सकेंगे। यूरोप और अफ्रीका में रहने वालों के लिए सुपर ब्लू मून 19 अगस्त की रात को दिखाई देगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सुपर ब्लूमून देखने के लिए एक ऐसी जगह चुने जहां आसमान साफ हो और वायु प्रदूषण कम हो। शहर की रोशनी से दूर होने पर यह और साफ दिखेगा।

संक्षिप्त समाचार

जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल पर एमपी हाईकोर्ट सख्त

- बोला-निकलती जान को दो दिन बाद मिलेगी दवाई! 20 अगस्त को करें वापसी

भोपाल। कोलकाता में एक रेजिडेंट डॉक्टर के साथ हुए क्रूर बलात्कार और हत्या के विरोध में जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन द्वारा पूरे एमपी में प्रदर्शन और हड़ताल की जा रही है। उनकी हड़ताल पर रोक लगाने की याचिका पर सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कहा था कि प्रतिवादियों को उच्च न्यायालय के 2023 के आदेश की याद दिलाई जानी चाहिए। इसके तहत डॉक्टर उसकी अनुमति के बिना हड़ताल पर नहीं जाएंगे। इसे लेकर हाईकोर्ट 17 अगस्त को अपना फैसला सुना दिया है। अंशुल तिवारी द्वारा दायर याचिका में राज्य सरकार, भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के डीन और जूडा की भोपाल शाखा प्रतिवादी हैं। इसके लिए शनिवार को सुनवाई हुई। मामले में प्रारंभिक सुनवाई के बाद एक संक्षिप्त आदेश में एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की पीठ ने कहा कि राज्य और जीएमसी डीन की ओर से पेश वकील द्वारा कोई भी नोटिस स्वीकार नहीं किया जाता है। जीएमसी भोपाल में जूडा को नोटिस जारी किया जाएगा, जिसका जवाब 17 अगस्त को दिया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील 3 मई, 2023 के हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हैं। इसमें कोर्ट की समन्वय पीठ ने एमपी मेडिकल ऑफीसर्स एसोसिएशन, एमपी गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन और डॉक्टरों से जुड़े अन्य अधिकारियों को निर्देश दिया था।

पूर्व सीएम दिग्विजय और पुलिस कमिश्नर के बीच ट्विटर वॉर

- पूर्व मंत्री के घर चोरी का खुलासा,सीपी का जवाब- थानों में पोस्टिंग की बोली के आरोप निराधार

भोपाल। पूर्व सीएम दिग्विजय के विधायक बेटे जयवर्धन सिंह के चार इमली स्थित बंगले पर 14 अगस्त को चोरी हो गई। शिकायत के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पड़ताल की। सीसीटीवी फुटेज और संदेहियों के मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक आरोपी फरार बताया जा रहा है। चोरी गए 15 हजार के कैश को पुलिस ने जब्त कर लिया है। आरोपियों ने एक दर्जन अन्य चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। हालांकि आरोपियों के कब्जे से केवल दो चोरियों का ही माल बरामद किया जा सका है। इधर, बेटे के सरकारी आवास में चोरी की वारदात के बाद पूर्व सीएम ने पुलिस कमिश्नर भोपाल के खिलाफ ट्वीट किया था। इसमें सीपी पर थानों की बोली के आधार पर प्रभारियों को तैनात किए जाने की बात लिखी थी। अब चोरी का खुलासा होते ही पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र ने दिग्विजय के ट्वीट पर रिप्लाई करते हुए उनके आरोपों को निराधार और दुर्भावनापूर्ण बताया है। साथ ही, उन्हें मामले का खुलासा किए जाने की जानकारी दी है। हबीबगंज थाने के थाना प्रभारी अजय कुमार सोनी ने कहा कि चोरी की जानकारी लगते ही टीम पहुंच गई थी। फोरेंसिक साइंस लैब की टीम भी पहुंची। टीम ने घटनास्थल से फिंगर प्रिंट भी लिए। कुछ सीसीटीवी फुटेज हमारे पास थे। उसमें तीन संदिग्ध लोग दिखाई दिए। उनकी पहचान कर ली गई है।

दुनिया की चुनौतियों से निपटने में भारत बना अब बड़ा पॉवर

ग्लोबल साउथ समिट में प्रधानमंत्री मोदी ने कही बड़ी बात

कहा-हमने जी20 को एक नया ढांचा देने का संकल्प लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में कहा कि कोविड के बाद दुनिया अनिश्चितता से जूझ रही है और आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे में पिछले दशक में स्थापित वैश्विक शासन और वित्तीय संस्थान आज के मुद्दों से निपटने में कम पड़ गए हैं। भारत वर्चुअल प्रारूप में वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट की मेजबानी कर रहा है, जिसमें वैश्विक दक्षिण के देशों को एक मंच पर विभिन्न मुद्दों पर अपने दृष्टिकोण और प्राथमिकताओं को साझा करने के लिए एक साथ लाने की परिकल्पना की गई है। शिखर सम्मेलन में अपने उद्घाटन भाषण में पीएम मोदी ने कहा, 2022 में जब भारत ने जी20 की अध्यक्षता संभाली, तो हमने जी20 को एक नया ढांचा देने का संकल्प लिया। वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट एक ऐसा मंच बन गया, जहां हमने विकास से जुड़ी समस्याओं और प्राथमिकताओं पर खुलकर चर्चा की, और भारत ने ग्लोबल साउथ की उम्मीदों, आकांक्षाओं और प्राथमिकताओं के आधार पर जी20 एजेंडा तैयार किया। पीएम ने कहा, हमने समावेशी और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण के साथ जी20 को आगे बढ़ाया। इसका सबसे बड़ा उदाहरण वह ऐतिहासिक क्षण था जब अफ्रीकी संघ को जी20 की स्थायी सदस्यता मिली। प्रधानमंत्री मोदी ने संघर्षों और अन्य चिंताओं के बीच मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में अनिश्चितता पर प्रकाश डाला और कहा कि वैश्विक शासन और वित्तीय संस्थान आज की चुनौतियों से निपटने में अक्षम रहे हैं। उन्होंने कहा, आज हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब पूरी दुनिया में अनिश्चितता का माहौल है। दुनिया कोविड के प्रभाव से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाई है। दूसरी ओर, युद्ध की स्थितियों ने हमारी विकास यात्रा के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

राजधानी में बहनों को 'शहर सरकार' का रक्षाबंधन गिफ्ट

228 बसों में फ्री सफर कर सकेंगी बहनें एमआईसी की मिली मंजूरी

भोपाल। भोपाल में रक्षाबंधन के दिन, सोमवार को 'शहर सरकार' बहनों को सिटी बसों में फ्री में घूमने का गिफ्ट देगी। महिलाएं सुबह 6 से रात 9 बजे तक बसों में फ्री में सफर कर सकेंगी। एमआईसी (मेयर इन कौंसिल) में प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है। इसे लेकर आदेश भी जारी होंगे। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड बसों का संचालन करती है। भोपाल में कुल 25 रूट पर 368 सिटी बसें दौड़ती हैं। इनमें से 140 बसें पिछले एक महीने से बंद है। ऐसे में शेष बची 228 बसों में 19 अगस्त, सोमवार को महिलाएं सफर कर सकेंगी। महापौर मालती राय ने बताया कि हर साल रक्षाबंधन पर बहनों को भाई को राखी बांधने के लिए एक जगह से दूसरी जगह पर जाना पड़ता है। बहनों को नगर निगम की तरफ से सौगात दी जाती है। इस बार भी यह सौगात दी जाएगी। एमआईसी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

ये बसें शहर के सभी एरियों को कवर करती हैं। बैरागढ़ के पास चिरायु हॉस्पिटल से लेकर अवधपुरी, न्यू मार्केट, अयोध्या बायपास, करोंद, एमपी नगर, मिसरोद, मंडीदीप, भोजपुर, होशंगाबाद रोड, कटारा हिल्स, बैरागढ़ चिचली, कोलार रोड, गांधीनगर, बंगरसिया, रायसेन रोड, लांबाखेड़ा, नारियलखेड़ा, भौंरी समेत अधिकांश शहरी इलाकों में चलती है।

मोहन सरकार को चिंता, कैसे दें माननीयों को सब्सिडी

होम और कार लोन पर अनुदान देने के लिए विधानसभा समिति करेगी सिफारिश, फिर होगा निर्णय

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार विधायकों को होम लोन और कार लोन के ब्याज पर सब्सिडी देने की कवायद में जुट गई है। इसके लिए सरकार की कवायद के बीच अब इस मामले में विधानसभा की सदस्य सुविधा समिति के पाले में गेंद डाल दी गई है। अब यह समिति जरूरत समझेगी, तो विधायकों के लोन पर लगने वाले ब्याज की सब्सिडी चुकाने सरकार को सिफारिश करेगी। इसके बाद सरकार इस मामले में वित्त विभाग से परमिशन लेने के बाद फैसला करेगी। संसदीय कार्य विभाग द्वारा विधानसभा सचिवालय को इस संबंध में एक पत्र हाल ही में लिखा गया है, जिसमें कहा गया है कि विधायकों को होम लोन और वाहन ऋण पर लगने वाले ब्याज की सब्सिडी के मामले में समिति सिफारिश करेगी तो सरकार इस पर कोई फैसला कर सकती है। बताया जाता है कि संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विधायकों को ब्याज पर सब्सिडी दिए जाने को लेकर एक बार हाई लेवल मीटिंग के जरिए इस पर निर्णय कराने की कोशिश की है, लेकिन सफल नहीं हुए, तो यह तय किया गया कि विधानसभा की सदस्य सुविधा समिति से सिफारिश कराई जाए। इसी के चलते संसदीय कार्य विभाग ने विधानसभा की सदस्य सुविधा समिति के लिए इस तरह के प्रस्ताव को लेकर पत्र भेजा है।

इकबाल सिंह बैंस ने पिछले पंचवर्षीय में रोका था प्रस्ताव

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में 2018-2023 के बीच विधायकों को होम और कार व अन्य वाहन लोन पर लगने वाले ब्याज पर सब्सिडी नहीं मिल पाई है। बताया जाता है कि इस अंतराल में विधायकों को सब्सिडी दिलाने के लिए फाइल चली तो पूर्व सीएस इकबाल सिंह बैंस ने इसे कैबिनेट में जाने से रोक दिया था। यह बात भी सामने आई है कि 2021 में विधायकों को 40 लाख रुपए के होम लोन पर सब्सिडी देने का प्रस्ताव अलग से भी आया था, लेकिन इसे भी मंजूरी नहीं मिल पाई थी। इसके बाद इस पर पांच साल फैसला नहीं हो सका। अब 2023 के चुनाव के बाद इसको लेकर फिर कवायद शुरू हुई है।

सिफारिश आई तो फैसला वित्त विभाग और कैबिनेट लेंगे

संसदीय कार्य विभाग के अफसरों का कहना है कि अभी इस मामले में कोई नया अपडेट नहीं है। बगैर इसके कि विधानसभा की सदस्य सुविधा समिति को पत्र लिखा गया है। जब सदस्य सुविधा समिति सिफारिश करेगी, तो वित्त की परमिशन के लिए भेजा जाएगा और वित्त विभाग की परमिशन के बाद कैबिनेट से मंजूरी लेकर इस मामले में कोई फैसला लिया जा सकेगा। विधायकों को होम और कार लोन पर लगने वाले ब्याज में सब्सिडी का लाभ 2013 से 2018 के बीच मिला था और कई विधायकों ने होम और कार लोन में इसका फायदा लिया था। इसी आधार पर अब नई सरकार में प्रयास शुरू हुए हैं।

लखनऊ एयरपोर्ट पर रेडियोएक्टिव हो गया लीक, 2 कर्मचारी बेहोश

- 1.5 किमी का एरिया खाली कराया, टर्मिनल-3 एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को सौंपा

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह (अमौसी) एयरपोर्ट पर रेडियोएक्टिव लीक हुआ। इससे 2 कर्मचारी बेहोश हो गए। एनडीआएफ और एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। टीम ने टर्मिनल-3 पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। 1.5 किमी का एरिया खाली कराया। एहतियात के तौर पर लोगों की एंट्री बंद कर दी। 1 घंटे तक जांच-पड़ताल की गई। अब स्थिति सामान्य है। एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन प्रभावित नहीं है। फ्लाइट लखनऊ से गुवाहाटी जा रही थी। उसी दौरान एयरपोर्ट टर्मिनल-3 पर स्कैनिंग के दौरान मशीन से बीप की आवाज आने लगी। लकड़ी के बॉक्स में कैंसर रोधी दवाएं पैक थीं। इसमें रेडियोएक्टिव एलिमेंट होता है। जैसे ही कर्मचारियों ने बॉक्स खोला तेजी से गैस निकली। इससे 2 कर्मचारी बेहोश हो गए। कर्मचारियों के बेहोश होते ही वहां भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर दौड़ने लगे। तुरंत इलाके को खाली कराया गया।

राजेश सिंह नए रक्षा सचिव, पुण्य सलिला स्वास्थ्य सचिव बनीं

- केंद्रीय कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने 15 अफसरों के विभाग बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीनियर आईएएस अफसर राजेश कुमार सिंह नए रक्षा सचिव होंगे। वे मौजूदा रक्षा सचिव अरमानी गिरधर की जगह लेंगे, जो 31 अक्टूबर को रिटायर हो रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव को स्वास्थ्य व परिवार कल्याण सचिव नियुक्त किया गया है। केंद्रीय कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने शुक्रवार को सेक्रेटरी लेवल के अफसरों के विभाग बदले हैं। प्रेस रिलीज के जरिए 15 से ज्यादा अफसरों की नई नियुक्ति की जानकारी दी गई है। राजेश सिंह केरल कैडर के 1989 बैच के अधिकारी है। वे केंद्र सरकार में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, कृषि समेत कई अन्य विभागों में महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं।

कर्नाटक सीएम के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले में चलेगा केस

- राज्यपाल ने मंजूरी दी, सिद्धारमैया पर जमीन के मुआवजे के लिए फर्जी डॉक्यूमेंट्स लगाने का आरोप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ जमीन से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में केस चलेगा। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शनिवार को इसकी आधिकारिक अनुमति दे दी है। सिद्धारमैया पर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण की जमीन के मुआवजे लिए फर्जी दस्तावेज लगाने का आरोप है। 26 जुलाई को राज्यपाल ने नोटिस जारी कर प्राधिकरण से 7 दिन में जवाब मांगा था। 1 अगस्त को कर्नाटक सरकार ने राज्यपाल को नोटिस वापस लेने की सलाह दी और उन पर संवैधानिक शक्तियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। प्राधिकरण घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, पत्नी, साले और कुछ अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की गई है। एक्टिविस्ट टीजे अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा का आरोप है कि सीएम ने प्राधिकरण अधिकारियों के साथ मिलकर महंगी साइट्स को धोखाधड़ी से हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेज लगाए।

साल 1992 में मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने कुछ जमीन रिहायशी इलाके में विकसित करने के लिए किसानों से ली थी। स्कीम के तहत जिनकी भूमि अधिग्रहित होती है उन्हें विकसित भूमि में एक वैकल्पिक साइट दी गई।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, रविवार 18 अगस्त , 2024

राज्य घुड़सवारी अकादमी के खिलाड़ियों ने 21 पदक जीते

मंत्री सारंग ने दी बधाई

भोपाल (नप्र)। जयपुर में चल रही घुडसावरी प्रतियोगिता में जूनियर नेशनल क्वालीफायर 2024 में मध्यप्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी के 12 खिलाड़ियों ने नेशनल के लिए क्वालीफाई किया। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने अकादमी के खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। जयपुर आर्मी एरिया में 61 केवलारी में चल रही घुडसावरी प्रतियोगिता सप्त शक्ति हॉर्स शो-2024, 11 अगस्त से प्रारंभ होकर 19 अगस्त तक चलेगा। इसके बाद क्रॉस कंट्री नेशनल 1 स्टार और 2 स्टार लेवल की प्रतियोगिता 21 से 29 अगस्त तक आयोजित होगी। अभी तक की प्रतियोगिताओं में राज्य घुड़सवारी

अकादमी के खिलाड़ियों ने 21 पदक जीते। इसमें 12 स्वर्ण, 7 रजत, 2 कांस्य पदक हासिल कर अकादमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में अकादमी के खिलाड़ी राजू सिंह ने व्यक्तिगत स्पर्धा में 3 गोल्ड मेडल जीते हैं। राजू सिंह आगामी आने वाली एशियाई चैंपियनशिप-2025 थाईलैंड के लिए वह एशियन गेम्स-2026 टोक्यो जापान के लिए तैयारी भी कर रहे हैं।

रेशम से दवाइयां बनाने के लिये कार्य प्रारंभ

पॉवडर, क्रीम, सेरी बैंडेज एवं सिजेरियन ड्रेसिंग बनाये जायेंगे

भोपाल (नप्र)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की 'रेशम से समृद्धि योजना' में नवाचार किये जा रहे हैं। नर्मदापुरम जिले के रेशम विकास केन्द्र मालाखेड़ी में रेशम से दवाइयों का उत्पादन करने के लिये कार्यवाही तेज कर दी गयी है। यहाँ दवाइयाँ बनाने के लिये गत माह फाई ब्रोहित कंपनी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, भोपाल के बीच एक अनुबंध हुआ। इस अनुबंध के तहत मालाखेडी रेशम विकास केन्द्र में रेशम के धागे से पॉवडर, क्रीम, सेरी बैंडेज एवं सिजेरियन बैंडेज आदि का निर्माण (उत्पादन) किया जाएगा। रेशम के धागे से दवाइयों के अलावा अन्य प्रकार के उत्पादन करने के प्रयास भी किये जा रहे है। इस दिशा में जरूरी अनुसंधान एवं विकास कार्यों के लिये 50 करोड़ रूपये की आवश्यकता का मांग पत्र राज्य शासन को भेजा गया है।

आयुक्त रेशम श्री मोहित बुंदस ने बताया कि रेशम के विकास एवं विस्तार से जुड़ी सेवाओं के त्वरित क्रियान्वयन (संपादन) के लिये रेशम से समृद्धि योजना में न्यू सिल्क ईको सिस्टम विकसित किया गया है। इसके लिये मध्यप्रदेश सिल्क फेडरेशन को 100 करोड़ रूपये उपलब्ध कराने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। रेशम विकास गतिविधियों के क्रियान्वयन में जरूरत के अनुसार इस राशि का उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि रेशम संचालनालय की योजनाओं का क्रियान्वयन अब मध्यप्रदेश सिल्क फेडरेशन के माध्यम से किया जायेगा। इसके लिये मप्र सिल्क फेडरेशन को जरूरी धनराशि (ग्रान्ट के रूप में) उपलब्ध कराने का प्रस्ताव राज्य शासन को दिया गया है।

भोपाल में शातिर चोर गिरोह का पर्दाफाश, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह के बंगले में भी की थी चोरी

आरोपितों को रिमांड पर लेकर पुलिस कर रही है पूछताछ

भोपाल (नप्र)। हबीबगंज थाना पुलिस ने इलाके में लंबे समय से सक्रिय एक चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पूछताछ में आरोपितों ने 12-13 अगस्त की दरमियानी रात कांग्रेस विधायक व पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह के बंगले में चोरी सहित आधा दर्जन सूने मकानों में वारदात करना कबूल किया है।

दो आरोपितों को पुलिस रिमांड पर लेकर शहर में हुई अन्य वारदातों के बारे में भी पूछताछ की जा रही है। उनका एक साथी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में सरगर्मी से जुटी है। गिरोह का सरगना बागसेवनिया थाना इलाके का निगरानीशुदा बदमाश है।

बंगले से नकदी चुराकर भागे थे बदमाश- हबीबगंज थाना प्रभारी अजय कुमार सोनी ने बताया कि रविशंकर नगर में रहने वाले आशीष बुंदेला ने 13 अगस्त को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसमें बताया था कि वह चार इमली स्थित विधायक जयवर्धन सिंह के बंगले के स्टाफ में पदस्थ हैं। विधायक यहां पर कभी-कभार आते हैं। बाकी समय यहां मौजूद स्टाफ ही देखरेख करता है। 12 अगस्त की रात वह बंगले में ताला डालकर अपने घर चले गए थे। 13 अगस्त को सुबह वह बंगले में पहुंचे तो एक कमरे का ताला टूटा मिला। कमरे के भीतर रखा ब्रीफकेस गायब था। उसमें 15 हजार रुपये रखे हुए थे।

इन इलाकों में भी हुई थीं चोरियां- बुंदेला की शिकायत पर पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज किया था। इसके पूर्व 10-11 अगस्त की रात ई-2, अरेरा कालोनी में रहने वाले अमृत कुमार बेगवानी के घर से बदमाश लैपटॉप, जेवर एवं नकदी चोरी कर ले गए थे। अरेरा कालोनी के सूने अन्य मकानों में भी दो माह के अंदर तीन-चार वारदात हो चुकी थीं।

ऐसे मिला सुराग- लगातार हो रही वारदातों को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम बनाकर घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी को खंगालते हुए संदिग्ध व्यक्तियों के फुटेज जुटाए। साथ ही पुराने अपराधियों के मोबाइल नंबरों की लोकेशन पर नजर रखी गई। लोकेशन के आधार पर तस्दीक करते हुए पुलिस ने बागमुगालिया निवासी निगरानीशुदा बदमाश 23 वर्षीय अंकित गुजरे को हिरासत में लिया। थाने लाकर पूछताछ करने पर उसने अपने साथी दीपक मंडल और विजय डिंडोरिया के साथ मिलकर चार इमली, अरेरा कालोनी सहित शहर के अन्य इलाकों में चोरी करना कबूल किया। इस पर पुलिस ने दीपक मंडल को भी गिरफ्तार कर लिया। विजय डिंडोरिया अब भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। चोर गिरोह की निशानदेही पर लगभग चार लाख का चोरी का सामान बरामद कर लिया गया है। आरोपितों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

नगर निगम कमिश्नर ने कड़ा रुख अपनाया

कचरा वाहन 10 मिनट से ज्यादा रुके तो ड्राइवर पर होगी कार्रवाई

भोपाल (नप्र)। भोपाल 7 शहर की सफाई व्यवस्था से नाराज चल रहे नगर निगम कमिश्नर ने कड़ा रुख अपनाया है। अब ऐसे कचरा वाहन चालकों के खिलाफ भी तत्काल कार्रवाई की जाएगी, जो बगैर वाजिब कारण के किसी स्थान पर 10 मिनट से ज्यादा रुके हों। ऐसे चालकों को भी नहीं बख्शा जाएगा, जिन्होंने तय रफ्तार से

ज्यादा तेज कचरा वाहन चलाया। इसकी मॉनिटरिंग स्मार्ट सिटी दफ्तर में बने इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से की जाएगी।

हाल ही में निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने ये निर्देश दिए हैं। कहा कि आप लोग ऐसे वाहन चालकों पर नजर रखें। इस तरह की कमियां मिलती हैं तो तत्काल वायरलेस सेट पर संबंधित हेल्थ ऑफिसर को इसकी सूचना दें, ताकि ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। ऐसा इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि कमिश्नर समेत निगम के अन्य अफसरों के पास समय पर कचरा न उठने और ट्रांसफर स्टेशन न पहुंचने की शिकायतें मिल रही हैं। वक्त पर डोर टू डोर कचरा वाहन के घर न पहुंचने से खासतौर पर ऐसे दंपतद्ध कचरा नहीं दे पाते, जो नौकरीपेशा हैं।

मटकी फोड़ प्रतियोगिता में फिल्म अभिनेता होंगे शामिल, करोंद चौराहा पर 27 अगस्त को होगा भव्य आयोजन

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के भोपाल जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी के नेतृत्व में श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समिति द्वारा 27 अगस्त को करोंद चौराहा पर प्रदेश की सबसे बड़ी मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। पचौरी 18 वर्षों से लगातार इस आयोजन को करते आ रहे है। लगभग 35 हज़ार से अधिक दर्शक इस मटकी फोड़ प्रतियोगिता को देखने पहुंचेंगे। मटकी फोड़ प्रतियोगिता में विजेता टीम को 1 लाख रूपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। सुमित पचौरी ने बताया कि पूर्व में इस आयोजन में फिल्म स्टार गोविंदा, महिमा चौधरी, भाग्यश्री सहित अन्य अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। मटकी फोड़ प्रतियोगिता में इस बार फिल्म अभिनेता शामिल होंगे जिसमें प्रमुख रूप से फिल्म स्टार, पद्मिनी कोल्हापूरी, गुलशन ग्रोवर सहित हास्य नाटक हप्पू की उलटन पलटन की गीतांजलि मिश्रा शामिल होंगी। साथ ही भजन गायक हेमंत बृजवासी अपनी प्रस्तुति देंगे।

शिक्षकों को नहीं मिली एरियर की 5वीं किस्त

भोपाल (नप्र)। भोपाल, रायसेन, सीहोर, ग्वालियर और खरगोन सहित प्रदेश के करीब 38 जिलों में कार्यरत 1.70 लाख शिक्षकों (नवीन शिक्षक संवर्ग) को 7वें वेतनमान के एरियर की 5वीं किस्त अब तक नहीं मिली है। जबकि आयुक्त लोक शिक्षण ने सभी संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए थे कि शिक्षकों को 31 मई तक किस्त दे दी जाए। शिक्षकों का आरोप है कि मैदानी अधिकारी आयुक्त के आदेश का पालन नहीं कर रहे हैं। यही कारण है कि तय तारीख के 3 माह बाद भी किस्त नहीं मिली है। मध्य प्रदेश में एक जनवरी 2016 से 7वां वेतनमान लागू हुआ है। इसका लाभ नवीन शिक्षक संवर्ग को जुलाई 2018 में भूतलक्ष्मी प्रभाव से दिया गया है, जिसका नगद लाभ नबंवर 2019 से शिक्षकों को प्राप्त हुआ और 15 माह का एरियर 5 किस्तों में देने का निर्णय हुआ था। इनमें से चार किस्तें वर्ष 2020, 2021, 2022, 2023 में दे दी गई हैं।

तो दूरदराज के जिलों की स्थिति क्या होगी

शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने आयुक्त से 5वीं किस्त जल्दी दिलाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि जब राजधानी में यह हाल है तो प्रदेश के दूरदराज जिलों की स्थिति क्या होगी। रक्षाबंधन का त्योहार होने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी 5वीं किस्त देने को तैयार नहीं हैं।

जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ आंदोलन होगा

संगठन ने चेतावनी दी कि एक माह में आयुक्त के आदेशों का पालन नहीं किया, तो जिला स्तर के अधिकारियों के खिलाफ संगठन आंदोलन करेगी। महंगाई भत्ता एवं 7वें वेतनमान के एरियर की राशि के भुगतान के लिए मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराएगा।

भोपाल नरेला में मनेगा रक्षाबंधन महोत्सव

11 दिन तक चलेगा पर्व ; मंत्री सारंग बोले- हर वार्ड में कार्यक्रम होंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के नरेला विधानसभा क्षेत्र में 19 अगस्त से रक्षाबंधन महोत्सव शुरू होगा, जो 11 दिन यानी, 29 अगस्त तक चलेगा। दावा है कि यह विश्व का सबसे बड़ा रक्षाबंधन महोत्सव होगा। इसमें खेल मंत्री विश्वास सारंग को बहनें रक्षासूत्र बांधेंगी। मंत्री सारंग ने कहा कि हर वार्ड में कार्यक्रम होंगे। जिसमें हजारों बहनें शामिल होंगी।

नरेला क्षेत्र में रक्षाबंधन महोत्सव का यह 16वां वर्ष है। पिछले साल करीब 1 लाख 41 हजार 324 बहनों ने रक्षा-सूत्र बांधे थे। मंत्री सारंग ने बताया, रक्षाबंधन महोत्सव नरेला क्षेत्र में वर्ष 2009 से लगातार बड़े धूमधाम से मनाते आ रहे हैं। इस महोत्सव में क्षेत्र की सभी वर्ग और धर्मों की हजारों बहनें रक्षा सूत्र बांधती हैं। यह महोत्सव इस वर्ष 19 से 29 अगस्त तक मनाया जाएगा। क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में रक्षाबंधन महोत्सव का आयोजन होगा। रक्षाबंधन महोत्सव के दौरान सावन के गीतों का आयोजन होगा और बहनों के लिए मेहंदी लगाने की

व्यवस्था रहेगी। कुल मिलाकर महोत्सव के दौरान वातावरण ऐसा निर्मित किया जायेगा कि बहनों को अपने मायके का अहसास हो।

रक्षाबंधन महोत्सव के पूर्व हुए रजिस्ट्रेशन- मंत्री सारंग ने बताया, रक्षाबंधन महोत्सव के पूर्व विधानसभा के अंतर्गत आने वाले सभी 17 वार्ड के 338 बूथों में महोत्सव में भाग लेने वाली बहनों का रजिस्ट्रेशन कराया गया है। अभी तक 1 लाख से ज्यादा बहनों का ऑफलाइन और ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन हो चुका है।

सबसे ज्यादा राखी बंधवाने का रिकॉर्ड- मंत्री सारंग ने बताया कि वर्ष 2016 में रक्षाबंधन महोत्सव को लेकर दो-दो वर्ल्ड रिकॉर्ड बन चुके हैं। पहला विश्व रिकार्ड 4 घंटे में 10181 बहनों से राखी बंधवाने का है और दूसरा रिकार्ड 85 हजार बहनों से राखी बंधवाने का है।

कॉलेजों में कैंपस चलो अभियान चलाएगी कांग्रेस

वायनाड समेत एमपी में बाढ़ से गिरे मकानों को बनाने मदद करेगी युवा कांग्रेस

भोपाल (नप्र)। युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने कहा है कि केरल के वायनाड में आई बाढ़ आपदा के चलते वहां डैमेज हुए घरों को बनाने के लिए युवा कांग्रेस राशि जुटाएगी और वहां के लोगों को मकान बनाने के लिए डोनेट करेगी।

इसके साथ युवा कांग्रेस एमपी में भी बाढ़ से प्रभावित हुए मकानों के सुधार कार्य के लिए मदद करेगी। इसके लिए आगामी एक महीने में ब्लाक स्तर पर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता राशि जुटाने का काम करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय (पीसीसी) में पत्रकारों से चर्चा करते हुए मितेंद्र ने कहा कि वायनाड में 40 से 50 मकान बाढ़ के कारण डैमेज हुए हैं। इनमें से दो से तीन मकानों को बनाने का खर्च डोनेट करने के लिए युवा कांग्रेस राशि जुटाएगी। इसके साथ ही एमपी में भी पिछले दिनों आई बाढ़ से जिन जिलों में घरों को नुकसान हुआ है। वहां के लोगों को भी मकान बनाने में जुटाई गई राशि युवा कांग्रेस प्रदान करेगी।

रवि परमार मध्य प्रदेश एनएसयूआई के कैंपस चलों अभियान के मीडिया विभाग के प्रभारी- कैंपस चलो अभियान को मध्यप्रदेश में संचालित करने एवं मध्यप्रदेश के हर विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों के छात्रों तक इस कार्यक्रम को पहुंचाने के लिए नियुक्तियां की जा रही हैं।भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन द्वारा रवि परमार को मध्य प्रदेश एनएसयूआई के कैंपस चलों अभियान के मीडिया विभाग के प्रभारी का जिम्मा सौंपा है।?परमार ने कहा कि परमार ने कहा कि मध्य प्रदेश एनएसयूआई सदैव छात्र हितों के लिए संघर्षरत है। वे इसे जिम्मेदारी को पूरा करने में जुट गए हैं।

ममता बनर्जी के राज में महिला सुरक्षित नहीं, राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

महिला मोर्चा ने चिकित्सक के साथ हुई बर्बरता के खिलाफ निकाला मौन कैंडल मार्च

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी की भोपाल जिला महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना जाचक के नेतृत्व में शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ हुई बर्बरता के दोषियों के खिलाफ सात नंबर चौराहा से बीडीए मार्केट तिराहा तक मौन कैंडल मार्च कर विरोध प्रदर्शन किया। मौन जुलूस में पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह जादौन, महापौर मालती राय सहित महिला मोर्चा की पदाधिकारी शामिल हुई।

प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह जादौन ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि महिला चिकित्सक के साथ हुई बर्बरता बेहद गंभीर हैं। ममता बनर्जी की सरकार में महिला चिकित्सक के साथ की गई हत्या को अस्पताल प्रशासन और पुलिस इस केस में क्या छिपा रही है। ऐसी सरकार को सत्ता में रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। ममता बनर्जी के राज में महिलाएं सुरक्षित नहीं है। लगातार महिलाओं पर अत्याचार की अनेकों घटनाएं हो चुकी है। ऐसी ममता बनर्जी सरकार को तत्काल बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए ताकि महिलाएं सुरक्षित रह सके।

जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना जाचक ने कहा कि कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में महिला चिकित्सक के साथ हुई बर्बरता के बाद नृशंस हत्या से देश उबल रहा है। बंगाल की राजनीति में तूफान मचा है। कोलकाता की तरह महिलाओं, बेटियों पर अत्याचार की घटना देश में कहीं भी हो, वह निंदनीय है। कोलकाता में हुई ऐसी पहली घटना नहीं है, जिसमें इंडी गठबंधन के लोगों ने

अपराधियों को संरक्षण दिया है। महापौर श्रीमती मालती राय ने कहा कि महिला चिकित्सक के साथ हुई बर्बरता के मामले में ममता सरकार का रवैया शर्मनाक रहा है। पीड़ित महिला चिकित्सक के माता-पिता को ममता सरकार ने बताया कि उनकी बेटी ने आत्महत्या की है। इस घटना के बाद से लगातार सबूत नष्ट करने और आरोपियों को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उस बिल्डिंग में अचानक रिनोवेशन का काम शुरू कर दिया गया, जिसमें ये बर्बर घटना हुई थी। टीएमसी के लोग हुड़दंग मचा रहे हैं। सर्वर रूम पर हमला करके सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर हटाने की कोशिश की गई। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सुश्री नेहा बग्गा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में महिला चिकित्सक के साथ हुई बर्बरता बेहद शर्मनाक है। ममता बनर्जी एक महिला होकर दूसरी महिलाओं पर अत्याचार होने दे रही है। उनको शर्म आनी चाहिए। सीबीआई को जांच पूरी कर आरोपियों को तत्काल सलाखों के पीछे भेजना चाहिए। मौन कैंडल मोर्च में महिला मोर्चा की श्रीमती वंदना परिहार, श्रीमती सुषमा चौहान, श्रीमती कामाक्षी विश्वकर्मा, श्रीमती शशि सिन्हो, श्रीमती रुक्मणी मालवी, श्रीमती निधि चौरसिया, श्रीमती मोनिका अग्रवाल, श्रीमती राखी शर्मा, श्रीमती विपिन द्विवेदी, श्रीमती सुषमा कुलश्रेष्ठ, श्रीमती नीतू सिंह राजपूत, श्रीमती सुधा सिंह, श्रीमती लक्ष्मी ठाकुर, श्रीमती साधना यादव, श्रीमती विमल सिंह रैकवार, श्रीमती मंजू रघुवंशी, श्रीमती पूर्णिमा उपाध्याय, श्रीमती कविता अनुरागी, श्रीमती सुमन सिंह, श्रीमती माया यादव, पार्षद जोन अध्यक्ष श्रीमती आरती अनेजा, श्रीमती लक्ष्मी विजयलक्ष्मी, श्रीमती कौशल्या रजक, श्रीमती राम शमा, सहित जिले की पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष, कार्यकर्ता शामिल हुई।

रक्षाबंधन के बाद प्रदेश में भारी बारिश

19 अगस्त से पूरा प्रदेश भीगेगा, आज छिंदवाड़ा-देवास समेत 7 जिलों में गिरेगा पानी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में 19 अगस्त से भारी बारिश का दौर शुरू होगा। दो पूर्वी और उत्तरी हिस्सा भीगेगा, जबकि 21-22 अगस्त को अति भारी बारिश हो सकती है। बंगाल की खाड़ी में सिस्टम एक्टिव होने से ऐसा होगा। हालांकि, इससे पहले भी प्रदेश में बारिश जारी रहेगी। पन्ना, सतना, अनूपपुर, देवास, बैतूल, छिंदवाड़ा और सिवनी में तेज बारिश हो सकती है।

आईएमडी भोपाल के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि मध्य भारत के कई हिस्सों में अभी बादल है। वहीं, उत्तरी बंगाल की खाड़ी में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव था। वह अब और भी प्रभावशाली होकर लो प्रेशर एरिया में बदल गया है। एक अन्य साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी एक्टिव है।

मानसून ट्रफ मध्यप्रदेश के उत्तरी हिस्से से गुजर रही है। इस वजह से प्रदेश में भारी बारिश का दौर शुरू हो गया है। लो प्रेशर एरिया का मूवमेंट उत्तर और दक्षिण हिस्से में ज्यादा रहेगा।

20 अगस्त से भारी बारिश का दौर

मौसम विभाग के मुताबिक- 19 अगस्त से बंगाल की खाड़ी में फिर से सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इस वजह से रीवा, शहडोल, नर्मदापुरम और जबलपुर संभाग में दो दिन तक बारिश होगी। 20 अगस्त से भारी बारिश का दौर पूरे प्रदेश में रहेगा। 21 और 22 अगस्त को अति भारी बारिश हो सकती है।

प्रदेश में हल्की बारिश

इससे पहले शुक्रवार को प्रदेश में हल्की बारिश का दौर रहा। गुना, इंदौर, रतलाम, जबलपुर, खजुराहो, नौगांव, सिवनी, उमरिया, बालाघाट के मलाजखंड में हल्की बारिश दर्ज की गई।

फिर बढ़ा डैम में पानी

तेज बारिश होने से डैम और तालाब छलक उठे हैं, जबकि नदियां उफान पर आ गई। शुक्रवार को भी प्रदेश के डैमों में पानी की आमद हुई। खासकर पूर्वी हिस्से के डैमों में। प्रदेश के सभी डैमों में 80 प्रतिशत तक पानी आ चुका है। इस कारण उनके गेट खोलने पड़े हैं। इनमें कोलार, बाणसागर, कुंडालिया, बरगी, इंदिरा सागर, ओंकारेश्वर, कलियासोत, भदभदा, केरवा समेत अन्य डैम भी शामिल हैं।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

एक सितंबर से सभी अंतर राज्यीय बसें नायता मुंडला आईएसबीटी से ही चलेगीं - कलेक्टर आशीष सिंह

इंदौर। शहर के यातायात व्यवस्था की समीक्षा आज कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा की गई। कलेक्टर सिंह ने बताया कि इंडस्ट्री हाउस के पास लेफ्ट टर्न को जल्द ही चौड़ा किया जाएगा। बिचौली रोड पर बनी रोटरी को भी हटाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पिपलियाहाना लेफ्ट टर्न को चौड़ा करने की प्रक्रिया चल रही है। कलेक्टर ने बताया कि यातायात की दृष्टि से बाधक पाटनीपुरा की रोटरी को भी हटाया जाएगा। उन्होंने बताया कि रेसीडेंसी की ओर से गीता भवन चौराहे की ओर आने वाले ट्रैफिक को गीता भवन की ओर डाइवर्ट करने के लिए वैकल्पिक मार्ग देखा गया है। कहा कि 1 सितंबर के बाद एआईसीटीएसएल सहित सभी अंतरराज्यीय बसों को नायता मुंडला आईएसबीटी बस स्टैंड से ही संचालित किया जाएगा।

निगम एक्शन मोड में : नल कनेक्शन वैध नहीं कराने वालों पर एफआईआर होना शुरू

इंदौर। मेयर पुष्यमित्र भार्गव से मिले फ्री हैंड के बाद नगर निगम एक्शन मोड पर है। अवैध से वैध नल कनेक्शन को लेकर अभियान चलाया गया था, लेकिन जिन लोगों ने कनेक्शन वैध नहीं कराए उनपर अब एफआईआर होना शुरू हो गई है। मेयर भार्गव के निर्देशन में झोन 12 व 15 में दो एफआईआर अवैध से वैध कनेक्शन मामले में की गई है। इसी तरह अब पानी की राशि जमा करने के लिए भी वन टाइम सेटलमेंट स्कीम चल रही है जिसमें आधा भरे और आधा माफ हो जाएगा। इसमें भी दी गई मियाद में जो लोग आधी राशि भी जमा नहीं करेंगे उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए समग्र एवं आधार से ई-केवाईसी आवश्यक

इंदौर। सभी आमजन को सूचित किया गया है कि शासन द्वारा संचालित सभी योजनाओं एवं शासकीय कार्यों का लाभ लेने के लिये सभी खाताधारक, भूमि स्वामियों, प्लॉट-भूखण्ड, मकान मालिकों जिनके नाम खसरा रिकार्ड में दर्ज हैं उन्हें अपने-अपने भू-खण्ड एवं कृषि भूमियों का समग्र आई.डी. एवं आधार कार्ड से ई-केवाईसी कराना आवश्यक है। अगर आप अपनी भूमियों की हेरा-फेरी एवं जमीन संबंधी गड़बड़ियों से बचना चाहते और अपने भूखण्ड, मकान, दुकान कृषि भूमि को सुरक्षित रखना चाहते हो तो आप सभी अपने नजदीकी सीएससी कंप्यूटर सेंटर पर जाकर अपनी-अपनी कृषि भूमियों, भूखण्डों, प्लाट एवं मकानो की ई-केवाईसी अवश्य करवाएँ और शासन की योजनाओं का लाभ ले सकते हैं और होने वाली धोखाधड़ी तथा असुविधा से बच सकते हैं। ई-केवाईसी के लिए अपने साथ समग्र आई.डी,आधार कार्ड, जन्म तिथि से संबंधित कोई भी दस्तावेज, मोबाईल नम्बर, खसरा नकल साथ में लें जाऐं और शीघ्र अतिशीघ्र केवाईसी करवाएँ। मोबाईल तथा कम्प्यूटर से ईकेवाईसी करने के लिए ह्यड्डद्बड्डद्दह्ड्ड.द्दश1.ब्ठ्ठ पर लॉगइन करें। इसके पश्चात समग्र पोर्टल पर क्लिक करें राजस्व महाअभियान अंतर्गत ई-केवाईसी समग्र आईडी प्रविष्टि करें पंजीकृत मोबाइल से प्राप्त ओटीपी दर्ज करें। इसके बाद भूमि संबंधी जानकारी जैसे जिला, तहसील, ग्राम, खसरा नंबर प्रविष्ट करें तथा नाम सिलेक्ट करें आधार ओटीपी दर्ज करें। इसके बाद आपका ई-केवाईसी हो जाएगा।

आईवी सेट लगाने के बाद 6 की हालत बिगड़ी, एक की मौत

महू (एजेंसी)। शासकीय मध्यभारत अस्पताल में फिर इलाज में लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां दिनभर में करीब 16 मरीजों को आईवीसेट की नई खेप चढ़ाई गई थी। इसके बाद छह से ज्यादा मरीजों ने तेज ठंड लगने की शिकायत की। वहीं पीथमपुर के मरीज महेन्द्र शर्मा की मौत हो गई। मौत किस वजह से हुई यह पीएम होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। यह सब देख कुछ मरीज इतने घबरा गए कि बगैर डिस्चार्ज लिए ही भाग गए। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम चरणजीत सिंह हुड्डा व नायब तहसीलदार राधावल्लभ धाकड़ अस्पताल पहुंचे। अस्पताल प्रभारी डॉ. एचआर वर्मा का कहना है कि मरीजों को जो आईवीसेट लगाया जाता है, वह आज ही खोला गया था। गड़बड़ी किस वजह से हुई, उसकी जांच की जाएगी।

बिजली वितरण कंपनी अब सीएनजी वाहनों का उपयोग करेगी

कार्मिकों को चतुर्थ समय वेतनमान प्रदान किया जाएगा

इंदौर (एजेंसी)। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर अब पर्यावरण हित में सीएनजी वाहनों का अपने क्रियाकलापों व विद्युत सेवाओ के दौरान उपयोग करेगी। इससे ईंधन खर्च घटेगा और पर्यावरण प्रदूषण में काफी कमी होगी। यह निर्णय कंपनी की शुक्रवार शाम पोलोग्राउंड स्थित प्रबंध निदेशक कार्यालय सभागार में हुए बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की मिटिंग में लिया गया। इसमें अध्यक्षता कंपनी के पदेन चेयरमैन और प्रदेश के अपर मुख्य सचिव ऊर्जा मनु श्रीवास्तव ने की। इस दौरान कंपनी के कर्मचारियों, अधिकारियों के लिए 35 वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण होने पर चतुर्थ समय वेतनमान देने का भी निर्णय लिया गया। इस दौरान कंपनी की पिछले वित्तीय वर्ष की आय, जारी वित्तीय वर्ष के प्रथम तीन माह की आय, नेशनल स्मार्ट ग्रिड मिशन के तहत इंदौर शहर में स्मार्ट ग्रिड योजना, उपभोक्ता सेवाओं, आरडीएसएस के कार्यों आदि पर भी चर्चा हुई। प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने कंपनी क्षेत्र में विकास कार्यों, उपभोक्ता सुविधाओं, स्मार्ट मीटर से आए बदलाव व अन्य विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

शहर में पिछले वर्ष आयोजित इंडिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव में शामिल 100 में से 25 शहरों को व्यय राशि देना बकाया

इंदौर। शहर में एक साल पहले आयोजित इंडिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव 2023 के आयोजन पर इंदौर स्मार्ट सिटी कंपनी ने 37.40 करोड़ रुपये खर्च किए थे। इस खर्च की भरपाई के रूप में देश की 100 स्मार्ट सिटी में प्रत्येक को अपने हिस्से की 37.40 लाख रुपये की राशि देना तय हुआ था।

शहर में आयोजन को हुए एक साल बीतने जा रहा है, लेकिन अभी तक देश की 75 स्मार्ट सिटी ही अपने अंशदान की राशि इंदौर स्मार्ट सिटी कंपनी को दे पाई हैं। कंपनी अब देश के 25 स्मार्ट सिटी से आयोजन पर हुए खर्च की राशि वसूलने के लिए तगादा कर रही है। बकायादार स्मार्ट सिटी में मध्य प्रदेश का एकमात्र उज्जैन शहर ही है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में रायपुर और बिलासपुर, उत्तर प्रदेश के दो, आंध्र प्रदेश के दो, तमिलनाडु के तीन सहित 25 शहर शामिल हैं।

इंदौर में पिछले वर्ष इंडिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव 26-27 सितंबर को आयोजित हुआ था। इसमें देश के 100 स्मार्ट सिटी के प्रतिनिधि सहित करीब चार हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए थे। इस आयोजन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि थीं और उन्होंने इंडिया स्मार्ट सिटी अवार्ड प्रतियोगिता-2022 के विजेता शहरों को पुरस्कार दिया था। इसमें इंदौर को बेस्ट स्मार्ट सिटी और मध्य प्रदेश को बेस्ट राज्य का पुरस्कार मिला था।

पहले केंद्र सरकार करती थी खर्च, इस बार सभी स्मार्ट सिटी से वसूल रहे विगत वर्षों में स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव के खर्च के लिए राशि केंद्र सरकार देती थी। सितंबर में इंदौर में स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव के खर्च के लिए यह तय हुआ था कि इस आयोजन में शामिल सभी 100 स्मार्ट सिटी इसके खर्च को आपस में बराबर बांटेंगी। सितंबर में हुए आयोजन पर इंदौर स्मार्ट सिटी कंपनी ने मेहमानों को रुकवाने व आयोजन संबंधित सारे इंतजामों पर 37.40 करोड़ रुपये अपने मद से खर्च किए।

निगम की रिमूवल टीम ने पशुपालकों के 3 बाड़े ढहाए, 40 गायें पकड़ीं

इन्दौर। इंदौर निगम की रिमूवल टीम ने तीन स्थानों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पशुपालकों के बाड़े ढहा दिए और बाड़ों में बांधकर रखी गई 40 गायें पकड़कर ट्रालों में भर ली। इसी दौरान जानकारी मिलने पर करीब 60 से ज्यादा पशुपालक मौके पर पहुंचकर हंगामा करने लगे, लेकिन निगम अधिकारियों ने गायें नहीं छोड़ी। पुलिस बल के चलते पशुपालकों को वहां से हटा दिया गया। शहर के कई इलाकों में फिर से बड़े पैमाने पर पशुपालन और सड़कों पर आवारा पशुओं की संख्या बढ़ने के चलते निगम के अधिकारियों को शिकायत मिल रही थी और इसी के चलते कल सुबह से नगर निगम का रिमूवल अमला पुलिस बल के साथ सबसे पहले वैशाली नगर में यादव परिवार के बाड़े पर पहुंचा। सुबह निगम का भारी भरकम अमला देख मौके पर कई लोग जमा हो गए थे। नगर निगम उपायुक्त लता अग्रवाल, भवन अधिकारी राहूल रघुवंशी के निर्देश पर रिमूवल टीम ने कार्रवाई शुरू कर बाड़ा ढहा दिया। इस दौरान वहां बंधी गायें निगम के ट्रालों में भर ली गईं। इसके बाद अमला रेती मंडी क्षेत्र में पहुंचा। वहां भी यादव परिवार के बाड़े बने थे, जिन्हें तोड़ा गया और वहां से भी गायें पकड़ी गईं। इसके बाद अंतिम कार्रवाई अहीरखेड़ी कुंदन नगर क्षेत्र में की गई। वहां विनोद पाल, सोनू पाल, छगन पाल, दिलीप पाल से लेकर कुछ अन्य के बाड़े बने थे, जिन्हें ढहाने के दौरान बड़ी संख्या में पशुपालन वहां पहुंच गए थे और बाड़े तोड़ने को लेकर हंगामा होता रहा। वहां से भी बड़ी संख्या में गायें पकड़ी की गईं तो पशुपालकों ने गायें छुड़ाने के लिए हंगामा किया, लेकिन रिमूवल और निगम के अधिकारियों ने पुलिस बल की मदद से पशुपालकों को वहां से हटाकर कार्रवाई कड़ाई से पूरी की।

इंदौर पुलिस ने गुम हुए 39 लोगों के मोबाइल खोजे, सबको बुलाकर वापस लौटाये

इंदौर। शहर में लोगों के मोबाइल गुम होने की समस्या को ध्यान में रखते हुए, पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर राकेश गुप्ता एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर अमित सिंह द्वारा प्रभावी कार्यवाही के लिए निर्देश दिए गए हैं। इसी तारतम्य मे जोन-4 के समस्त 9 थानों को प्रभावी कार्यवाही हेतु प्रशिक्षण दिया गया एवं ष्टश्वढ्ढक्रपोर्टल के माध्यम से गुम मोबाइल फोन की शिकायतों पर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गये है।

उक्त निर्देशों के पालन में, थाना सराफा, थाना पंढरीनाथ, थाना रावजीबाजार एवं थाना व्दारकापुरी द्वारा ष्टश्वढ्ढक्रपोर्टल के माध्यम से गुम मोबाइल फोन की शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए शिकायतों का निराकरण कर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। गुम मोबाइल फोन जो कि इंदौर सहित देश के विभिन्न शहरों में चल रहे थे, कुल 39 मोबाइल फोन जप्त किए गए हैं जिसमें हजारों रुपयों की कीमत के महंगे मोबाइल फोन शामिल हैं। बरामद मोबाइल फोन में कुल 39 मोबाइल जिनकी कुल कीमत लगभग 4 लाख रू है जिसमें वन प्लस, सैमसंग, रेडमी, वीवो, ओप्पो, मोटोरोला, पोको, रीयलमी आदि कंपनियों के महंगे मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं। पुलिस उपायुक्त नगरीय जोन-4 के मार्गदर्शन में ष्टश्वढ्ढक्रपोर्टल का उपयोग करते हुए मोबाइल खोजने की प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाया गया है । इस प्रक्रिया के माध्यम से गुम मोबाइल फोन को ट्रैक कर बरामद किया गया है, जिससे आमजन में ऑनलाइन शिकायत के प्रति जागरूकता आई है और यह विश्वास मजबूत हुआ है कि, ष्टश्वढ्ढक्रपोर्टल के माध्यम से भी उनकी गुम मोबाइल प्राप्त हो सकती है।

अपील-÷ पुलिस उपायुक्त नगरीय जोन-4 द्वारा आम जनता से यह अपील की जाती है कि ष्टश्वढ्ढक्रपोर्टल का उपयोग कर गुम मोबाइल फोन की शिकायत दर्ज करें और मोबाइल फोन को ट्रैक करने के लिए इस प्रक्रिया का लाभ उठाएं। इससे न केवल आपके समय की बचत होगी, बल्कि आपकी शिकायतों अथवा सूचनाओं पर त्वरित कार्यवाही करने के लिए पुलिस को मदद मिलेगी।÷

बार-बार समझाइश के बाद भी सड़क और फुटपाथों से अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई - कलेक्टर आशीष सिंह

इंदौर शहर के 21 चौराहों पर यातायात को सुगम बनाने के विशेष प्रयास जारी

इंदौर। शहर में चौराहों पर यातायात को सुगम बनाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। चौराहों पर लेफ्ट टर्न चौड़े करने, इंजीनियरिंग एवं तकनीकी सुधार सहित अन्य जरूरी निर्माण कार्य करने के कार्य तेजी से जारी है। इसके लिए शहर के 21 चौराहों पर उक्त कार्य नगर निगम, यातायात पुलिस, नेशनल हाईवे, एमपीआरडीसी, इंदौर विकास प्राधिकरण सहित अन्य संबंधित विभागों के माध्यम से कार्ययोजना बनाकर करवाए जा रहे हैं। कलेक्टर आशीष सिंह ने इंदौर शहर में यातायात को सुगम बनाने संबंधी विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की। बैठक में बताया गया कि आगामी एक सितंबर से नायता मुंडला स्थित बस स्टैंड से बसों का संचालन प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस बस स्टैंड से वर्तमान में प्रदेश से बाहर जाने वाली बसें संचालित होगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने एक सितंबर से पूर्व बस स्टैंड पर सभी व्यवस्थाएं और इससे जुड़े हुए मार्गों की आवश्यक मरम्मत करने के निर्देश भी दिए। बैठक में बताया गया कि पिछले दिनों कलेक्टर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शहर के जिन 21 चौराहों पर यातायात को सुगम बनाने के संबंध में निरीक्षण किया गया था उस दौरान लिए गए निर्णय और दिए गए निर्देशों पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। उक्त चौराहा पर कार्य योजना बनाकर लेफ्ट टर्न चौड़ा करने, तकनीकी एवं अन्य सुधार कार्य करने, डिवाइडर आदि लगाने, यातायात सिग्नल को पुनर्नियोजित करने और आवश्यक निर्माण करने का कार्य तेजी से जारी है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने फुटपाथ और सड़कों पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग जो बार-बार समझाईश के बाद भी यातायात नियमों और निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। बैठक में चौराहों पर यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के संबंध में स्थाई समाधान के लिए ग्रेट सेपरेटर बनाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

शहर में डेंगू पीड़ित मरीजों के हॉट स्पॉट सेंटर बने भंवरकुआं और विजय नगर क्षेत्र

इंदौर। इंदौर में डेंगू बुखार के मच्छरों के डंक का कहर जारी है। कल शाम को मिली महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज की लैब की रिपोर्ट के अनुसार 14 से 16 अगस्त के बीच डेंगू के 6 नए मरीज सामने आए हैं। जिला मलेरिया अधिकारी के अनुसार इस बरसाती सीजन के दौरान अगस्त माह में अभी तक डेंगू बुखार के कुल 37 मरीज सामने चुके हैं। शहर में अभी तक 14 ऐसे इलाके चिन्हित किए गए हैं, जहां से डेंगू के मरीज एक से ज्यादा बार निकल कर सामने आ रहे हैं। फिलहाल तो शहर के 2 बड़े इलाके भंवरकुआं और विजय नगर डेंगू बुखार के हॉट स्पॉट सेंटर बने हुए हैं। यहां से अभी तक डेंगू के 22 मरीज सामने आ चुके हैं।

अधिकारी के अनुसार पिछले साल 2023 में 458 डेंगू पीड़ित मरीज मिले थे। इस साल जनवरी माह से अभी अगस्त में कल तक 230 मरीज मिल चुके हैं। इनमें 22 बच्चों सहित 93 महिला और 137 पुरुष मरीज शामिल हैं। डेंगू के अलावा अभी 5 मलेरिया बुखार के भी मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग की वार्षिक रिपोर्ट बताती है कि पिछले साल जुलाई में जहां सिर्फ 16 और अगस्त माह में 43 यानी 2 माह में कुल 59 डेंगू पीड़ित मिले थे, जबकि इस साल जुलाई माह में 110 और इस अगस्त माह के 16 दिनों में ही 37 नए मरीज मिल चुके हैं।

बाल विवाह कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई

इंदौर हाई कोर्ट ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड सहित अन्य को जारी किया नोटिस

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अरविंद धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति दुप्पला वेंकट रमण ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका (पीआईएल) में नोटिस जारी किए हैं। जिसमें राज्य में बाल विवाह को नियंत्रित करने वाले कानूनी ढांचे को चुनौती दी गई है। इस मामले को डॉ.अमन शर्मा द्वारा उच्च न्यायालय के समक्ष रखा गया और उनके पक्ष में अधिवक्ता अभिनव पी. धनोडकर ने बहस की। 4 सप्ताह में नोटिस का जवाब देने के निर्देश दिए हैं।

क्या है पूरा मामला

इस जनहित याचिका में मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) अनुप्रयोग अधिनियम, 1937 और बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के बीच के संघर्ष को उठाया गया है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के प्रावधान, जो यौवन (आमतौर पर 15 वर्ष की आयु) में विवाह की अनुमति देते हैं, सीधे तौर पर बाल विवाह निषेध अधिनियम के साथ विरोधाभासी हैं। महिलाओं के लिए विवाह की न्यूनतम कानूनी आयु 18 वर्ष और पुरुषों के लिए 21 वर्ष निर्धारित करता है। डॉ. शर्मा की ओर से बहस करते हुए अधिवक्ता धनोडकर ने नाबालिगों, विशेषकर युवा लड़कियों के अधिकारों पर इस कानूनी असंगति के गहरे प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि कम उम्र में विवाह न केवल इन लड़कियों के स्वास्थ्य और शिक्षा को खतरे में डालता है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक असमानता और लैंगिक भेदभाव को भी बढ़ावा देता है।

याचिका में कहा गया है कि ऐसे विवाह संविधान में निहित मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, जिसमें शिक्षा और स्वास्थ्य का अधिकार शामिल है। खंड पीठ ने प्रारंभिक बहस सुनने के बाद, प्रतिवादियों, जिसमें भारत संघ, कानून और न्याय मंत्रालय, महिला और बाल विकास मंत्रालय मध्य प्रदेश राज्य, महिला और बाल विकास विभाग गृह विभाग और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड शामिल हैं को नोटिस जारी किया है। अदालत ने इन पक्षों को चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता ने न्यायिक घोषणा की मांग की है, जिसमें बाल विवाह निषेध अधिनियम को विरोधाभासी पर्सनल लॉ पर प्रधानता देने की पुष्टि की जाए, साथ ही सभी समुदायों में विवाह की कानूनी आयु की समानता सुनिश्चित करने के लिए विधायी संशोधन का निर्देश भी दिया जाए। इसके अलावा, याचिका में मजबूत निगरानी और प्रवर्तन तंत्र, सार्वजनिक जागरूकता पहल और बाल विवाह से प्रभावित व्यक्तियों के लिए व्यापक समर्थन सेवाओं की स्थापना की मांग की गई है।

इंदौर में एडमिट चांदीपुरा वायरस के संदिग्ध मरीज की मौत

एक हफ्ते पहले जांच के लिए पुणे लैब भेजे गए थे सैंपल; अब तक नहीं मिली रिपोर्ट

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट चांदीपुरा वायरस के संदिग्ध मरीज 22 वर्षीय खरगोन निवासी युवक की मौत हो गई है। खरगोन सीएमएचओ डॉक्टर एमआर सिसोदिया ने इसकी पुष्टि की है। एक हफ्ते पहले उसका सैंपल जांच के लिए पुणे लैब भेजा गया था जिसकी रिपोर्ट अब तक नहीं आई हैं। रिपोर्ट आने के बाद अगर पुष्टि हो होती है तो यह मध्य प्रदेश में चांदीपुरा वायरस का पहला मामला होगा। मामला कसरावद क्षेत्र के पीपलगोन में रहने वाले 22 वर्षीय युवक का है। पिछले शनिवार को उसे इंदौर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। इस पर इंदौर स्वास्थ्य विभाग ने खरगोन सीएमओ को सूचना दी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार दोपहर पीपलगोन में

सघन सर्वे भी किया। यहां टीम को अन्य कोई संदिग्ध मरीज नहीं मिला था।

एक हफ्ते बाद भी स्पष्ट नहीं हो पाई स्थिति

चांदीपुरा वायरस के संदिग्ध मरीज का मामला सामने आने के बाद खरगोन सीएमएचओ डॉ. एमएस सिसोदिया और इंदौर सीएमएचओ डॉ. बीएस सेतिया ने कहा था कि मरीज चांदीपुरा वायरस सस्पेक्टेड है। एक सप्ताह में रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

इंदौर के पास गणपति घाट पर भीषण हादसा

उल्टी हुई तो युवती ने बस में से सिर निकाला, ट्रक की टक्कर से मौत

इंदौर (एजेंसी)। धामनोद के गणपति घाट पर हुए हादसे में राऊ निवासी रिया (18) पिता जगदीश जाधव की मौत हो गई। वह बहन पिंकी और भांजे रघु के साथ राखी के लिए खरगोन जा रही थी। उल्टी आने के कारण उसने घाट पर खिड़की से गर्दन बाहर निकाली थी, तभी हादसा हो गया। पिता ने बताया कि 14 अगस्त को रघु का जन्मदिन था। वह बहन के यहां ही रुकी थी। काकड़दा चौकी प्रभारी मिथुन चौहान ने बताया कि घाट पर गुरुवार दोपहर तेज गति से इंदौर की ओर से आ रहा ट्रक अनियंत्रित होकर छह कारों व बस को टक्कर मारते हुए कंटेनर से टकराया। इससे ट्रक व कंटेनर में आग लग गई। दुर्घटना में युवती की मौत हो गई। वहीं 4 अन्य लोगों को चोट आई।

सराफा में महिला के पर्स से सोने का हार चोरी

इंदौर के सराफा में महिला के पर्स से सोने का हार चोरी होने का मामला सामने आया है। बदमाश महिलाओं ने मौका पाकर पर्स में रखे हार पर हाथ साफ कर दिया। सराफा थाना पुलिस ने फरियादी मयूरी सेन उम्र 32 साल निवासी जूनी इंदौर की शिकायत पर दो अज्ञात महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज किया है।

शेयर मार्केट इनवेस्टमेंट बताकर 5 लाख रु. हड़पे

डीमैट अकाउंट से हुई ठगी; दो अकाउंट होल्डर्स पर एक्शन

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की एमआईजी पुलिस ने उत्तर प्रदेश के एक युवक की शिकायत पर कार्रवाई की है। 4 मोबाइल नंबर और 2 अकाउंट होल्डर पर एक्शन लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने मुनाफे के नाम पर डी-मेट अकाउंट खुलवाया था। रुपए दोगुना करने का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपए ठगे थे।एमआईजी पुलिस के मुताबिक मोहम्मद इमरान पुत्र इकबाल अहमद निवासी बुदावा थाना घुपुर जिला प्रयागराज की शिकायत पर पुलिस ने मोबाइल नंबर और अकाउंट नंबरों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज किया है।

इमरान इंदौर के मालवा मिल इलाके की किंग होटल में ठहरा हुआ था। वह निजी कंपनी में कार्यरत है।उसने पुलिस को बताया आरोपियों ने बालाजी इक्विटी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में शेयर मार्केट में रुपए लगाने की बात कही थी। 4 लाख 75 हजार की धोखाधड़ी की गई।

मुंबई और इंदौर के दिए थे पते

पुलिस के अनुसार, बालाजी कंपनी की तरफ से फरियादी इमरान को मुंबई के लोढ़ा सुप्रीम, डॉ. ई मोसिस रोड़ साउथ वर्ली नाका का पता दिया गया। वहां आफिस नहीं मिला। आसपास के लोगों से पूछताछ की तो इस तरह की कंपनी होने की बात से इनकार किया।

संपादकीय

प्रधानमंत्री के संबोधन का संदेश...

अठहत्तरवें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर अपनी सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ कुछ भावी चुनौतियों पर बात की और यह संदेश देने की कोशिश की कि राष्ट्रीय सामूहिकता की भावना साथ हो तो किसी भी बाधा को आसानी से पार किया जा सकता है। हालांकि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने भाषणों में आमतौर पर वे व्यापकता के साथ मुद्दों पर बात करते रहे हैं और इस बार का वक्तव्य भी इसकी कड़ी ही रही। इस बार भी उन्होंने वे तमाम मुद्दे उठाए, जिनसे आम जनता खुद को प्रभावित या जुड़ी हुई महसूस करती है।

मसलन, किसानों, सैनिकों और युवाओं को सलाम करते हुए उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा भी मुखरता के साथ उठाया। साफ लहजे में जिस तरह उन्होंने राज्य सरकारों को यह निर्देश दिया कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों को गंभीरता से लेना चाहिए, वह केंद्र से लेकर राज्य तक सभी सरकारों की इच्छाशक्ति का मामला होना चाहिए। यह छिपा नहीं है कि सख्त कानूनी प्रावधान होने के बावजूद कई बार अपराधियों के भीतर उसका डर नहीं होता, क्योंकि वे इसे लेकर आश्वस्त रहते हैं कि अगर कभी वे गिरफ्त में आए तो भी बच निकलेंगे। इसलिए अगर प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के दोषियों के मन में डर बिठाना जरूरी है, तो इसका आशय समझा जा सकता है। व्यापक जन जीवन से जुड़ी चिंताओं को रेखांकित करते हुए वे निश्चित रूप से जोखिम के बीच में जीवन गुजारने वाली महिलाओं और अन्य वर्गों के हित की बात कर रहे थे, मगर इससे आगे उन्होंने

2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का अपनी सरकार का संकल्प जाहिर किया। इसके तहत उन्होंने प्रति व्यक्ति आय दोगुनी करने में कामयाबी मिलने, निर्यात में बढ़ोतरी, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के बीच भारत के लिए भरोसे में मजबूती और युवाओं में बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर मिलने की बात कही। जाहिर है, अगर वास्तव में ये संकल्प जमीन पर उतरे तो देश की अर्थव्यवस्था में तेजी से मजबूती आने की उम्मीद की जा सकती है।यह छिपा नहीं है कि हर वर्ष भारी संख्या में युवा चिकित्सा विज्ञान की पढ़ाई करने दूसरे देशों में जाते रहे हैं। इसका मुख्य कारण यहां दाखिले के लिए जगहों का अभाव रहा है। अब प्रधानमंत्री ने अगले पांच वर्ष में चिकित्सा क्षेत्र में पचहत्तर हजार नई सीटें सृजित करने की घोषणा की है। अगर यह घोषणा अमल में आती है तो पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले विद्यार्थियों के लिए भारत में कितने अवसर बनेंगे, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने किसानों को नई तकनीक से जोड़ने, प्राकृतिक खेती के लिए बजट बढ़ाने और रक्षा सामग्रियों के निर्माण में देश की धमक बढ़ने को लेकर जो बातें कीं, वे मौजूदा सरकार की दृष्टि को रेखांकित करती हैं। वहीं उन्होंने पड़ोसी देश बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन और हिंसा में सामुदायिक पहचान के आधार पर निशाना बनाए जाने का सवाल उठाया। साथ ही भेदभाव करने वाले कानूनों की जगह उन्होंने 'धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता' के अलावा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को वक्त की जरूरत बताया। जाहिर है, स्वतंत्रता दिवस पर लोगों को संबोधित करने के मौके पर अपनी सरकार की उपलब्धियां दर्ज करने के साथ-साथ उन्होंने अपनी पार्टी की विचारधारा को भी ज्यादा स्पष्ट करने की कोशिश की है। अब यह देखने की बात होगी कि आने वाले वक्त में वे किन चुनौतियों से जूझने को प्राथमिकता देते हैं।

पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल इंदौर में रक्तदान की उपयोगिता, उससे जुड़े भ्रम तथा डर को दूर करने संबंधी शिविर का आयोजन किया गया

इंदौर। पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल इन्दौर में रक्तदान की उपयोगिता, उससे जुड़े भ्रम तथा डर को दूर कर जनमानस में रक्तदान के प्रति जागरुकता को लेकर संस्था के निदेशक/उप पुलिस महानिदेशक राजेश कुमार सिंह (भापुसे) के मार्गदर्शन में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें अपोलो हॉस्पिटल इंदौर के डॉ. सर्वेश मारु ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को रक्तदान हेतु प्रेरित किया, प्रत्येक स्वस्थ्य व्यक्ति प्रति 03 माह में एक बार रक्तदान कर सकता है जिससे कि रक्त पतला होता है और हार्ट अटैक से बचने की संभावना ज्यादा रहती है। रक्तदान करने के पहले विभिन्न प्रकार की जांचे होती है जिसमें उस व्यक्ति की गंभीर बीमारी के बारे मालूम हो जाता है। अगर प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति नियमानुसार समय पर रक्तदान करता है तो प्रतिवर्ष लाखों लोगों की जान बचाई जा सकती है जो कि रक्त की कमी होने से चली जाती है। किसी भी बैंक में व्यक्ति का ब्लड 03 माह तक ही सुरक्षित रहता है उसके बाद रक्त उपयोग करने योग्य नहीं रहता है। वरिष्ठ मेनेजर श्री कमलेश पाण्डेय जी ने सीपीआर संबंधी जानकारी दी कि अगर किसी भी व्यक्ति को हार्टअटैक/स्टोक आने पर हॉस्पिटल ले जाने के पूर्व सीपीआर दिया जाता है तो कई लोगो की जान समय पर बचाई जा सकती है एवं खुश रहने की विधि बड़े सहज रुप से प्रस्तुत की।

इस अवसर पर संस्था के पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर चंद्रावत, उप पुलिस अधीक्षक राजिन्दर सिंह वर्मा, उप पुलिस अधीक्षक घनश्याम सिंह तथा नि.स. संजय मोरे द्वारा अतिथियों का स्वागत कर उन्हें संस्था की ओर से प्रशस्ति-पत्र प्रदाय किया गया। संचालन व आभार प्रदर्शन सउनि सुरेन्द्र यादव द्वारा किया गया।संस्था के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिजनों द्वारा रूचि लेकर शिविर में भाग लिया।

64वीं सरताज लीग बैडमिंटन स्पर्धा शुरु

इंदौर। सरताज अकादमी द्वारा आयोजित 64वीं सरताज लीग बैडमिंटन स्पर्धा नारायण बाग बाल विकास केंद्र बैडमिंटन हाल में शुरु हुई। मन बड़जात्या, तीर्थ गोयल, अशांक मिश्रा, अयांश मिश्रा, दिव्यांशी सिरोही ने अपने प्रारंभिक लीग मैच जीते। स्पर्धा का उदघाटन मल्हारगंज क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त (एपी सी) विवेक सिंह चौहान ने किया। स्पर्धा सचिव, सरताज अकादमी प्रबंध निदेशक धर्मेश यशलहा ने संचालन किय। 13 वर्ष बालक वर्ग में मन बड़जात्या ने अद्वैत सिंह चौहान को 15-3, 15-3 से और तीर्थ गोयल ने अशांक मिश्रा को 15-9, 15-13 से हराया। 11 वर्ष आयु में अशांक मिश्रा ने अयांश मिश्रा को 15-3, 15-3 से पराजित किया। कोंपल 9 वर्ष आयु वर्ग में अयांश मिश्रा ने आराध्या सिंह परमार को 15-1, 15-2 से हराया। स्पर्धा के मुकाबले लीग आधार पर हो रहे हैं।

आज का कार्टून

स्वास्थ्य वर्धक खानपान और सुनियोजित दिनचर्या करती हैं बच्चों की बौद्धिक क्षमता को विकसित

> 12 से 18 वर्ष की आयु के किशोर जटिल सोच रखने में सक्षम होते हैं। इसलिए अब वे संभावनाओं के बारे में अमूर्त रूप से सोचें, ज्ञात सिद्धांतों से तर्क वितर्क करें, अपने स्वयं के नए विचार या प्रश्न बनाएं, सभ्यता-संस्कृति के कई दृष्टिकोणों पर विचार करें, देश व समाज के विचारों या मतों की तुलना करें और बहस करें, ऐसी सीख इस सीरीज के माध्यम से दी जाती है। इसी कड़ी में उनके सोचने की प्रक्रिया के बारे में सोचना, विचार प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक होना और छात्रों के बौद्धिक विकास और प्रगति के बारे में अधिक जानना महत्वपूर्ण होता है। लिहाजा, इसी कड़ी में छात्रों को यह समझाया जाता है कि लाइब्रेरी में जाने से उनकी शब्दावली, कल्पना और सीखने की इच्छाशक्ति कैसे बढ़ेगी। वहीं, लाइब्रेरी कार्ड बच्चों को उधार लेने और जिम्मेदारी की अवधारणाओं से परिचित कराने का एक शानदार तरीका है।

कमलेश पांडेय

दुनिया का हर व्यक्ति चाहता है कि उनके बच्चों का बौद्धिक विकास हो, लेकिन उनमें से बहुतों को यह पता नहीं होता कि यह कैसे होगा? स्वास्थ्य बर्द्धक खानपान और सुनियोजित दिनचर्या के अलावा वह कौन-कौन सी चीजें हैं, जो आपके बच्चों की बौद्धिक क्षमता को विकसित करती हैं। यहां पर छात्रों के संज्ञानात्मक या बौद्धिक विकास का तातपर्य है उनके सोचने और तर्क करने की क्षमता का बहुमुखी विकास करना। कारण कि बहुधा बच्चे जिस कपोलकल्पित दुनिया में रहते हैं, उसे समझने के लिए वे अपने दिमाग, विचारों और सोच को कैसे व्यवस्थित करते हैं, यह पूरी तरह से उनके घरेलू पारिवारिक माहौल और स्कूल के समग्र शैक्षणिक वातावरण पर निर्भर करता है। इसलिए उनके चेतनात्मक विकास को कैसे प्रोत्साहित किया जाए, इस पर सार्थक चर्चा बदलते वक्त की मांग है।

मसलन, कोई भी माता-पिता और देखभाल करने वाले अभिभावक अपने बच्चे की वर्तमान बौद्धिक अवस्था को समझें ताकि वे अपने बच्चे के संज्ञानात्मक या बौद्धिक विकास करने के लिए उन्हें सुनियोजित गतिविधियाँ प्रदान कर सकें। आपके लिए यह समझना जरूरी है कि रचनात्मक और कलात्मक खेल सामग्री बच्चों को समस्या समाधान में संलग्न होने देकर सीखने और विकास करने में मदद करते हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उनके शब्दावली ज्ञान, वाक्य सृजन, वस्तु विमर्श, जटिल आकृतियों की नकल, तर्क और बहस करने की क्षमता में वृद्धि करना, क्यों और क्योंकि जैसे शब्दों का प्रयोग समझाना आवश्यक है।

इसके अलावा, उनमें कल, आज और कल जैसी अवधारणाओं की समझ विकसित करने की कोशिश की जाती है। उन्हें डेस्क या टेबल पर बैठने के तौर तरीके बताए जाते हैं। वे अपने शिक्षक के निर्देशों का पालन कैसे करें, इसका अनुशासन सिखाया जाता है। वहीं, वे किसी भी सरल कार्य को स्वतंत्र रूप से करने में कैसे सक्षम होंगे, इसका प्रारंभिक ज्ञान दिया जाना महत्वपूर्ण है। ततपश्चात, उनमें अधिक समय तक ध्यान देने की क्षमता विकसित करने की कोशिश की जाती है। उनमें अधिक जिम्मेदारी लेने की इच्छा जागृत करने, जैसे कि घर या स्कूल के काम, के प्रयास किये जाते हैं। उनमें भिन्न, धन और स्थान की अवधारणा विकसित की जाती है। उनकी समझ, समय ज्ञान, महीनों एवं सप्ताह के दिनों के नामक्रम और स्वयं पुस्तक पढ़ने का आनंद लेने की विधि बताई जाती है।

चूंकि, 12 से 18 वर्ष की आयु के किशोर जटिल सोच रखने में सक्षम होते हैं। इसलिए अब वे संभावनाओं के बारे में अमूर्त रूप से सोचें, ज्ञात सिद्धांतों से तर्क वितर्क करें, अपने स्वयं के नए विचार या प्रश्न बनाएं, सभ्यता-संस्कृति के कई दृष्टिकोणों पर विचार करें, देश व समाज के विचारों या मतों की तुलना करें और बहस करें, ऐसी सीख इस सीरीज के माध्यम से दी जाती है। इसी कड़ी में उनके सोचने की प्रक्रिया के बारे में सोचना, विचार प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक होना और छात्रों के बौद्धिक विकास और प्रगति के बारे में अधिक जानना

महत्वपूर्ण होता है।

लिहाजा, इसी कड़ी में छात्रों को यह समझाया जाता है कि लाइब्रेरी में जाने से उनकी शब्दावली, कल्पना और सीखने की इच्छाशक्ति कैसे बढ़ेगी। वहीं, लाइब्रेरी कार्ड बच्चों को उधार लेने और जिम्मेदारी की अवधारणाओं से परिचित कराने का एक शानदार तरीका है। इसलिए माता-पिता और अभिभावकों का यह दायित्व बनता है कि अपने बच्चे को संग्रहालयों, नए मोहल्लों और प्रदर्शनियों से सुपरिचित कराएं। अपने बच्चे के साथ जितना संभव हो सके उतना निर्बाध समय बिताएं। अपने घर में होमवर्क के लिए स्थान और दिनचर्या निर्धारित करें। यदि आप अपने बच्चे की प्रगति के बारे में चिंतित हैं तो अपने बच्चे के शिक्षक से बात करें। इसके अलावा, लंबे समय तक टेलीविजन, वीडियो और कंप्यूटर गेम देखने से बचें।

वहीं, किशोरावस्था के छात्र-छात्राओं को स्कूल और घर में व्यक्तिगत निर्णय लेने पर केंद्रित अधिक जटिल सोच के उपयोग के बारे में बताइये। वह स्कूल के काम में औपचारिक तार्किक संक्रियाओं का उपयोग दिखाना कैसे शुरू करेगा, यह समझाइए। विद्यार्थी प्राधिकार और समाज के मानकों पर सवाल उठाना कैसे शुरू करेंगे, यह बतलाइए। उन्हें विभिन्न विषयों पर अपने विचार और दृष्टिकोण बनाना और बोलना शुरू करना सिखाईए। आप अपने बच्चे को इस बारे में बात करते हुए सुन सकते हैं कि उन्हें कौन से खेल या समूह पसंद हैं और माता-पिता के कौन से नियम बदलने चाहिए, इसलिए इसके समग्र पहलुओं के बारे में उन्हें सुसंगत दृष्टिकोण विकसित करना सिखाईए।

इस अवस्था में विद्यार्थी अधिक जटिल, दार्शनिक और भविष्यवादी चिंताओं को शामिल करने के लिए सोच का विस्तार करता है। इस नजरिए से उनके द्वारा अक्सर अधिक व्यापक रूप से प्रश्न पूछे जाते हैं और अधिक व्यापक रूप से विश्लेषण किया जाता है। लिहाजा, वह अपने स्वयं के आचार संहिता के बारे में सोचता है और उसे बनाना शुरू करता है? वह विभिन्न संभावनाओं के बारे में सोचता है और अपनी पहचान विकसित करना शुरू करता है। वह संभावित भावी लक्ष्यों पर व्यवस्थित रूप से विचार करना शुरू कर देता है। उसके मन तरंग में यह सवाल उठते हैं कि मैं क्या सही समझता हूँ? मैं कौन हूँ? मैं क्या चाहता हूँ?

इस उम्र वय में विद्यार्थी कम आत्म-केंद्रित अवधारणाओं और व्यक्तिगत निर्णय लेने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जटिल सोच का उपयोग करता है। वह न्याय, इतिहास, राजनीति, ज्ञान-विज्ञान और देशभक्ति जैसी वैश्विक अवधारणाओं के बारे में विचारों में हुई वृद्धि पर डिस्कशन करता है। ऐसे में अक्सर विषयों पर आदर्शवादी विचार विकसित हो जाते हैं, जिससे बहस हो सकती है और विरोधी विचारों के प्रति असहिष्णुता विकसित हो सकती है। इसलिए उनके लिए उपयोगी सभी पहलुओं के बारे में विस्तार पूर्वक समझाइए, ताकि उनके व्यक्तित्व में सजगता और निखार दोनों आए। क्योंकि इस उम्र में छात्रगण कैरियर संबंधी निर्णय लेने और वयस्क समाज में उनकी उभरती भूमिका पर ध्यान केन्द्रित करना शुरू कर देते हैं। इसलिए उनके बौद्धिक विकास और प्रगति के बारे में अधिक व्यापक दृष्टिकोण अपनाइए।

उनमें भविष्य की संभावनाओं के बारे में सोचने के लिए जिज्ञासा पैदा कीजिए। यहां पर उनके सुविचारित निर्णयों के लिए सराहना और प्रशंसा कीजिए। जबकि गलत तरीके से लिए गए निर्णयों का पुनर्मूल्यांकन करने में उनकी सहायता कीजिए। आपको पता होना चाहिए कि जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, उनके सोचने-समझने का तौर तरीका और भी परिष्कृत होता जाता है। उनकी विचार प्रक्रियाएँ अधिक तार्किक और व्यवस्थित होती जाती हैं। इसलिए उनका समुचित मार्गदर्शन करना उनके बौद्धिक विकास के नितांत आवश्यक है। उनके स्वस्थ बौद्धिक विकास के लिए उन्हें विभिन्न विषयों, मुद्दों और समसामयिक घटनाओं पर चर्चा में शामिल करना होगा। जिससे उन्हें अपने विचार को सबके साथ साझा करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। यह उन्हें स्वतंत्र रूप से सोचने, अपने विचार विकसित करने तथा लक्ष्य निर्धारित करने के लिए भी मदद करेगा।

स्वरांजलि गीत प्रतियोगिता में गूंजे देशभक्ति के तराने

इंदौर। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सामाजिक संस्था ÷गुडनेस नेटवर्क फाउंडेशन÷ द्वारा गायन प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित स्वरांजलि कार्यक्रम संपन्न हुआ। हिंदी साहित्य समिति सभागार प्रतिभागियों द्वारा गाये गए राष्टभक्ति के गीतों से गूंज उठा। कार्यक्रम में फाउंडेशन की निदेशक सुश्री रचना शर्मा एवं डॉक्टर प्रियंक बांठिया ने संस्था द्वारा सामाजिक क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज में आपसी भाईचारा, बहनापा और सौहार्द की जरूरत है। इस हेतु प्रयासों को प्रोत्साहित करना होगा। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए गुडनेस नेटवर्क फाउंडेशन समाज की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का प्रयास करता रहा है, ताकि देशवासियों को भारतीयता के सूत्र में बांधे रखा जा सके। कार्यक्रम में इंदौर के अलावा अन्य प्रदेशों से आए अनेक प्रतिभागियों ने शिरकत की। 18 वर्ष की आयु वर्ग से कम में जय चौहान, हर्ष सोनगरा, तथा रीत अरोड़ा ने तथा अधिक आयु वर्ग में अविनाश मिश्रा, ऋषिपाल सिंह भाटिया, मनीष त्रिपाठी को विजेता घोषित कर पुरस्कृत किया गया। लगभग तीन घंटे से अधिक समय तक चले कार्यक्रम में श्रोताओं के विशाल जनसमूह के अलावा अतिथि के रूप में डॉक्टर राकेश गौर, श्रीमती खिरवरकर, शिक्षाविद श्रीमती रेणु मूले, रिटायर्ड सूबेदार मेजर विनीत चौरसे, साहित्यकार राशिका जोशी महेश्वरी उपस्थित थे। निर्णायक चित्रा खिरवरकर, रेणु मुले, राशिका जोशी माहेश्वरी थे। संचालन हर्षा तिवारी ने किया आभार डॉ. प्रियंक बांठिया ने माना।

साधारण रोजमर्रा की चीजों को लेकर चिड़चिड़ापन ठीक नहीं

शिखर चंद जैन

इस दुनिया में चारों तरफ जो कुछ घट रहा है, जो बातें लोग कह रहे हैं, वह सब विभिन्न संचार माध्यमों से जानने को मिलता है, लेकिन यह हमें तय करना है कि कौन-सी बातें हमारी सेहत, आर्थिक स्थिति या परिवार पर असर डाल सकती हैं और कौन नहीं। किन बातों पर हमारा नियंत्रण है और किन पर नहीं। जो बातें हमारे मतलब की नहीं हैं और हमारी स्थिति पर असर नहीं डालतीं या फिर जो हमारे काबू में नहीं हैं, उन्हें नजरंदाज करना ही अच्छा है। बेहतर होगा कि हम उन बातों पर ध्यान दें जो हमारे नियंत्रण में हैं।

साधारण रोजमर्रा की चीजों को लेकर चिड़चिड़ापन ठीक नहीं। हम रोज अपने कार्यस्थल पर या खरीदारी के लिए बाजार जाने के लिए निकलते हैं, तो रास्ते में जाम, अचानक बरसात आना, कड़ी धूप या उमस होना आदि चीजें होती हैं। इनको लेकर जी जलाना, तनाव में आना बेमानी है। इसी तरह चीजों के भाव ज्यादा होना, दुकानदार या बैंक कर्मचारी का धीमी गति में काम करना आदि सब भी सामान्य चीजें हैं, जिन्हें हम चाह कर भी पूरी तरह नहीं बदल सकते। हम हर मामले में अपने मुताबिक परिणाम की फिक्र नहीं करें। जीवन अनिश्चितताओं से भरा हुआ है। हमें हर रोज बहुत सारे काम करने होते हैं। कुछ में हम सफल होते हैं और कुछ में वांछित परिणाम नहीं मिल पाते हैं। यह जीवन का हिस्सा है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम हर काम शुरू करने से पहले चिंता में ही घुलते रहें और अपना समय बर्बाद करते रहें। कई बार हम जो चिंता करते हैं, वे तर्कहीन और पुराने अनुभवों पर आधारित होती हैं, जो जरूरी नहीं कि बार-बार घटित हों। 'डोंट बिलीव एवरी थिंग यू थिंक' के लेखक जोसेफ एनागुएन ने बहुत अच्छी बात कही है- 'विचार संज्ञा है और विचार करना क्रिया है। उन्हें अपने स्वभाव के अनुसार ही रहने दें।' समस्या यह है कि हम सोचने में कुछ ज्यादा ही समय खर्च करते हैं। जब भी हमें नकारात्मक विचार घेरें, हम सजग हो जाएं। बहुत संभव है कि उस समय हम जरूरत से ज्यादा सोच रहे होंगे। यही वह समय है जब हमें बिल्कुल शांत हो जाने की जरूरत है।

कुछ मामले में माहौल से निरपेक्ष रहना सीखना होगा। कछुए किस तरह अपने सारे अंगों को अपने खोल में समेटकर अपनी ही दुनिया में रहता है, बाहरी माहौल से पूरी तरह निरपेक्ष। भय और असुरक्षा की भावना हर किसी में होती है। कभी हमें नए लोगों से, कभी नई स्थिति से, कभी नई घटनाओं से डर लगता है, लेकिन हमें इनसे निरपेक्ष भी रहना चुनना होगा। इसी के समांतर देखें तो जीवन में सुरक्षा ही सब कुछ नहीं है। हमें थोड़ा निडर होना पड़ेगा।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सदभावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज बेंज जैसी विदेशी कारों की जान है यह भारतीय कारोबारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आपने बीएमडब्ल्यू, रोल्स-रॉयस और मर्सिडीज बेंज जैसी विदेशी कारों के नाम सुने होंगे। ये कारें इतनी महंगी होती हैं कि आम आदमी के लिए इन्हें खरीदना एक सपने जैसा होता है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि इन विदेशी कारों का इंजन कोई विदेशी कंपनी नहीं, बल्कि भारत की कंपनी फोर्स मोटर्स बनाती है। वही फोर्स मोटर्स जो वैन, पिकअप ट्रक, एसयूवी आदि वाहन बनाती है। कंपनी के चेयरमैन अभय फिरोदिया हैं। अमीरी के मामले में भी 79 साल के अभय फिरोदिया काफी आगे हैं। फोर्स मोटर्स की स्थापना अभय फिरोदिया के दिवंगत पिता नवलमल फिरोदिया ने साल 1958 में की थी। साल 1975 में अभय ने कंपनी की जिम्मेदारी संभाली। महाराष्ट्र में जन्में अभय फिरोदिया ने अपनी स्कूली शिक्षा मध्य प्रदेश के ग्वालियर से पूरी की। कंपनी संभालने के बाद वह 2009 तक फर्म के मैनेजिंग डायरेक्टर थे, इसके बाद उन्होंने अपने बेटे प्रसन्न को कारोबार सौंपने का फैसला किया। वह अब कंपनी के अध्यक्ष पद को संभाल रहे हैं। फिरोदिया ने बड़ा हिस्सा बजाज ऑटो समेत बजाज ग्रुप की दूसरी कंपनियों में किया हुआ है। ऐसे में उनकी संपत्ति का ज्यादातर हिस्सा इसी निवेश से आता है। इस समय फोर्स मोटर्स का मार्केट कैप करीब 11 हजार करोड़ रुपये है। फोर्स मोटर्स को पहले बजाज टेंपो के नाम से जाना जाता था जो बजाज परिवार के साथ इसके संयुक्त उद्यम की उत्पत्ति को दर्शाता है। इसकी स्थापना उनके दिवंगत पिता नवलमल फिरोदिया ने 1958 में की थी, जो 1968 में एक झगड़े के बाद बजाज परिवार से अलग हो गए थे। फोर्ब्स के अनुसार अभय फिरोदिया की संपत्ति 4.6 बिलियन डॉलर (करीब 39 हजार करोड़ रुपये) है। यह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में 715वें स्थान पर हैं। वहीं फोर्ब्स की भारत के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट की बात करें तो यह 66वें नंबर पर हैं। यह लिस्ट साल 2023 के आधार पर है। वह फोर्स मोटर्स के अध्यक्ष के साथ-साथ वह ऑटो पार्ट्स फॉर्म जय हिंद इंडस्ट्रीज के भी प्रमुख हैं।

फाइबरवेब इंडिया की एबिटडा मार्जिन वार्षिक 1138 बीपीएस बढ़ी

मुंबई, एजेंसी। 100 प्रतिशत ईओयू एवं नॉन फैब्रिक की निर्माता, फाइबरवेब (इंडिया) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के अपने अनेडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, फाइबरवेब (इंडिया) लिमिटेड के डायरेक्टर, श्री भावेश पी. शेठ ने कहा, हम सहर्ष फाइबरवेब इंडिया लिमिटेड के वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के उत्कृष्ट प्रदर्शन की घोषणा करते है. हमारी कंपनी ने बाजार के इस स्पर्धात्मक वातावरण में उल्लेखनीय ग्रोथ एवं लचीलापन प्रदर्शित किया है.हमने हमारे शुद्ध लाभ एवं ईपीएस में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है. हमारी कार्यशील पूंजी और प्रस्तावित टर्म लोन के लिए आइएनडी बीबी+ / स्टेबल रेटिंग वित्तीय स्थिरता और ग्रोथ के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है. स्थिर कुल आय के बावजूद हमने सफलतापूर्वक ऑपरेटिंग खर्चों को मैनेज किया है, जिससे हमारी एबिटडा एवं शुद्ध लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई दी है.हम 2.90 करोड़ के शुद्ध लाभ की रिपोर्ट देकर हर्षित हैं, जिसमें वित्त वर्ष 24 के 0.30 करोड़ घाटे से उल्लेखनीय टर्नअराउंड हुआ है. यह सुधार बाजार सुअवसरों का लाभ लेते समय हमारे मजबूत खर्च मैनेजमेंट और बढ़ते लाभ के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालता है. हमें आगामी तिमाहियों में टॉप लाइन में वृद्धि करने की हमारी क्षमता पर विश्वास है और हम मजबूत एबिटडा एवं शुद्ध लाभ प्रदर्शन बरकरार रखने के प्रति प्रतिबद्ध बने हुए हैं.

UPSC Inviting Applications For Joint Secretary, Director And Deputy Secretary Level Officers

Union Public Service Commission (UPSC) is inviting applications from interested and eligible candidates for the post of Joint Secretary and Director/Deputy Secretary level Officers in different ministries/ departments. The applications are invited by candidates on contractual basis for a period of three years extendable upto five years depending on the performance of candidates. The last date for filling the application form is September 17, 2024.

Joint Secretary (Emerging Technologies), Ministry of Electronics & Information Technology

Candidates having a postgraduate degree in Technology, Management, Public Policy, Development Studies, Economics, Liberal Arts, Law from a recognised university/Institute are eligible to apply.

Applicants must have a 15 years of work experience in the field of Technology, with knowledge and experience of having worked in the field of New and Emerging Technology, and public policy with at least 10 years in a leadership role.

Applicants shortlisted for the role will be responsible for the following jobs:

Policy research, policy research, analyze issues, strategy development, stakeholder engagement, procurement toolkit, capacity building and content creation, documentation collaboration and teamwork.

Joint Secretary (Semiconductors and Electronics), Ministry of Electronics and Information Technology

Candidates having a BE/ BTech in Electronics and Communication/Electronics/ Electrical/Mechanical/Chemical Engineering or Materials Science from a recognised university/institute are eligible to apply.

Applicants having a 15 years experience in a leadership role in the field of semiconductors and electronics/technology/ public policy in Government/Public / Private sector organisations are desirable for the post.

The candidate selected for the post will be responsible for various job roles including overseeing various aspects of the electronics industry, including policy formulation, implementation and promoting the growth of electronics manufacturing in India, leading key initiatives of the government of India in the Electronics manufacturing sector among others.

Joint Secretary (Environment Policy and Environment Law), Ministry of Environment, Forest And Climate Change

Candidates having a MSc in Environmental Science from a recognised university/institute, can apply for the post. Applicants must have 15 years of post qualification experience in dealing with Environment Policy and Environmental law in Government/private organisations/institutions.

Applicants having a PhD in Environmental Sciences from recognised university/ institute are desirable for the post.

Similar posts of Joint Secretary are also vacant in the following departments:

Digital Economy, Fin Tech and Cyber Security in Department of Financial Services, Ministry of Finance

Joint Secretary (Investment), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance

Joint Secretary (Policy and Plan), NDMA, Ministry of Home Affairs

Joint Secretary (Shipping), Ministry of Ports, Shipping & Waterways

Joint Secretary (Science and Technology), Department of Science and Technology, Ministry of Science and Technology.

Joint Secretary (Economic/Commercial/Industrial), Ministry of Steel

Joint Secretary (Renewable Energy), Ministry of New And Renewable Energy

Director and Deputy Director

Applications are also invited for the post of Director and Deputy Director in various departments. Interested and eligible candidates can visit the official website of the UPSC for detailed information on the eligibility criteria and pay for the same.

The minimum and maximum age limit for the Joint Secretary level post are 40 and 55 years respectively and the gross salary would be around Rs 2,70,000 including dearness allowance, transport allowance and house rent allowance in present level.

The minimum and maximum age limit for the Director level post are 35 and 45 years respectively and the pay will be fixed at a gross salary of Rs 2,32,000. The minimum and maximum age limit for the Deputy Secretary level post are 32 and 40 years respectively and the pay will be approximate gross salary around Rs 1,52,000.

IIT Indore scholarships for UG, PG students

The Indian Institute of Technology Indore (IIT Ind0re) provides scholarships to worthy and deserving students every year. Some scholarships are given in the form of college fee concessions and some come as direct benefit transfers to the students' bank accounts.

List of scholarships and eligibility

1. National Handicapped Finance and Development Corporation (NHFDC), for and on behalf of the Department of Disability Affairs, Ministry of Social Justice & Empowerment, Govt. of India, provides scholarships to students with disabilities under the following two scholarship schemes:

a. Scholarships Scheme (Trust Fund):

– Under this scheme, 2000 scholarships will be awarded to eligible students with disabilities for degree and postgraduate level professional and technical courses from recognized institutions in India.

– 30 per cent of scholarships will be reserved for girls, which will be transferable to male students in case of the non-availability of female candidates.

– Applicants may apply at any time in the academic year for a scholarship under this scheme.

– Scholarships will be awarded quarterly basis for the applications received in the preceding quarter. Under this scheme, an advance copy of the application should also be submitted online (nhfdc.nic.in) by the candidate.

– Reimbursement of non-refundable fees restricted to the limit of fees of similar courses in government/ government aided institutions. Maintenance allowance will be paid to the students for 10 months Rs 2,500 per month for professional graduate courses and Rs 3,000 per month for professional postgraduate courses in one academic year.

– Books/ stationery allowance will be paid to students pursuing professional graduate courses Rs 6,000 per annum and Rs 10,000 per annum for pursuing professional postgraduate courses

– Differently-abled students, in addition, will be provided financial assistance for the purchase of aids and appliances (only once during a lifetime).

– Monthly income of the beneficiary/parent or guardian should not be more than Rs 25,000 (Rs 3,00,000 per annum) from all sources. Family income includes the income of parent/guardian.

– A Scholarship holder under this scheme will not avail any other scholarship/stipend for pursuing the course.

b. Scholarships Scheme (National Fund):

– Under this scheme, 500 scholarships will be awarded to eligible students with disabilities for pursuing higher academic/professional or technical qualification.

– Applicant has to apply online (nhfdc.nic.in) for scholarship and scholarship shall be awarded once in a academic year under this scheme.

– Scholarship of Rs 1,000 per month for hostellers and Rs 700 per month for day scholars studying in professional courses at graduation and above level, and Rs 700 per month for hostellers and Rs 400 per month for day scholars pursuing Diploma/Certificate level professional courses.

– Course fee reimbursed up to the ceiling of Rs 10,000 per year.

– Financial assistance can be given for computers with editing software for blind/deaf graduates and post graduate students pursuing professional courses and for support access software for cerebral palsy students.

– Monthly income of the beneficiary/parent or guardian should not be more than Rs 15,000 (Rs 1,80,000 per annum) from all sources. Family income includes income of parent/guardian.

Scholarship holders under this scheme will not concurrently hold any other scholarship/stipend.

2. National Fellowship and Scholarship For Higher Education of Scheduled Tribe Students:

एआई निगल जाएगा 6000 नौकरियां! सिसको सिस्टम्स ने किया छंटनी का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज कंपनी सिसको सिस्टम्स बड़ी संख्या में छंटनी करने जा रही है। बुधवार को इसकी जानकारी सभी के साथ कंपनी ने साझा की थी। सिसको ने कहा है कि वो अपना ध्यान आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और साइबर सिक्योरिटी की तरफ बढ़ाना चाहते हैं। बता दें, कंपनी करीब 7 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। 2024 में इससे पहले भी कंपनी ने एक बार छंटनी की है।

सिसको की तरफ से अभी तक कोई भी आधिकारिक नंबर नहीं साझा किया गया है। लेकिन माना जा रहा है कि करीब 6000 कर्मचारियों पर इस फैसले का प्रभाव पड़ेगा। बता दें, जुलाई 2023 में कंपनी में कुल 84,900 लोग काम करते थे। इससे पहले फरवरी में कंपनी ने 4000 कर्मचारियों की छंटनी की थी। कंपनी की तरफ से छंटनी ऐसे समय में की जाने वाली है। जब उनका रेवन्यू सालाना आधार पर 10 प्रतिशत घट गया है। कंपनी की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार इस बार की तिमाही में 13.64 बिलियन डॉलर का रेवन्यू जनरेट हुआ है। यह बाजार के अनुमान से अधिक है।

तिजारा के किसान परिवार में जन्म, सफलता ऐसी कि जापानी और अमेरिकी कंपनी को करते हैं एसी कंपोनेंट की सप्लाई

नई दिल्ली, एजेंसी। कहते हैं कि किसी काम को करने में लगन हो और भरपूर मेहनत की जाए तो सफलता तो झक मार कर मिलेगी। यही बात शत-प्रतिशत तिजारा के संतोष कुमार यादव के ऊपर भी बैठती है। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डप्लोमा करने के बाद एयर कंडीशनर बनाने वाली एक कंपनी में जब ट्रेनी का काम शुरू किया था तो उन्हें भान भी नहीं होगा कि वह यह मुकाम हासिल करेंगे। आज वह डायकिन, ब्लाइडर, किर्लोस्कर और ब्ल्यू स्टार जैसी कंपनियों को तो हीट एक्सचेंजर की सप्लाई करते ही हैं, अमेरिका और कनाडा समेत दुनिया के नौ देशों में निर्यात भी करते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं केआरएन हीट एक्सचेंजर के फाउंडर एवं मैनेजिंग डाइरेक्टर संतोष कुमार यादव की सक्सेस स्टोरी। संतोष कुमार यादव का जन्म राजस्थान में तिजारा के एक छोटे से गांव में हुआ था। वहीं से उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा भी हुई। हाई

स्कूल पास करने के बाद संतोष का दाखिला बाड़मेर के पोलिटेक्निक कॉलेज में हो गया। वहां वह मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करने पहुंच गए। डिप्लोमा करने का फायदा यह हुआ कि वहां से पास करने के बाद तुरंत ही नौकरी मिल गई। इससे किसान पिता को काफी राहत मिली।

लगन से सीखा काम

संतोष कुमार यादव बताते हैं कि उनकी नौकरी लॉयड इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड में हुई। वहां उन्हें ट्रेनी ऑपरेटर के रूप में ज्वॉइन कराया गया। वहीं वह लगभग 11 साल तक काम किए। जब वह वहां से नौकरी छोड़ रहे थे, उस समय वह कंपनी के हेड ऑफ ऑपरेशन्स थे। मतलब कि इतने ही दिनों में वे मंज गए और एयर कंडीशनर के हीट एक्सचेंज बनाने के बारे में हर बारीकी सीख गए। इसी दौरान उन्होंने गाजियाबाद के इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलोजी से मैनेजमेंट की पढ़ाई भी की है।

वह बताते हैं कि काम करने और सीखने की लगन उनकी इतनी तीव्र थी कि उनकी कंपनी ने उन्हें उन्हें दो साल से ज्यादा की अविध के लिए चेक रिपब्लिक चेक रिपब्लिक में भेज दिया। वहां वह लुवादा/हीट क्राफ्ट के प्लांट में एडवांस मैन्यूफैक्चरिंग के गुर सीखे। इसके साथ ही उन्हें एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेशन से जुड़ी दुनिया भर की नई-नई मशीनों के साथ काम करने और उसे सीखने-समझने का मौका मिला।

संतोष ने लॉयड इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड में साल 2002 में भर्ती हुए थे और 2013 में अलविदा कह दिया। इतने ही दिनों में वे हेड ऑफ ऑपरेशन के पोस्ट तक पहुंच गए थे। वहां से निकलने के बाद साल 2013 में ही उन्होंने राजस्थान के ही भिवाडी में माइक्रो क्राइल एंड रेफ्रिजरेंट नामक कंपनी की स्थापना की। इसे उनहोंने 2017 तक चलाया। फिर उन्हें इस कंपनी के लिए बढ़िया ऑफर मिला तो इससे अपनी हिस्सेदारी बेच कर निकल गए। क्योकि उन्हें को कुछ बड़ा करना था।

जब वह माइक्रो क्रायल से निकले तो उनके पास अच्छी-खासी नकदी थी। इसके बाद उन्होंने अपनी प प्रतिशती अंजू देवी के साथ मिल कर केआरएन हीट एक्सचेंजर एंड रेफ्रीजरेशन लिमिटेड की नींव डाली। उस समय उन्होंने नीमराना के रीको इंडस्ट्रियल एरिया में करीब 10,000 वर्गमीटर जगह में हीट एक्सचेंजर बनाने का प्लांट लगाया। धीरे-धीरे इसमें विस्तार होता गया और हर तरह के हीट एक्सचेंज बनाने लगे। चाहे इवेपोरेटर क्राइल की बात हो, कंडेशर क्राइल की बात हो, फ्लुइड एंड स्टीम क्राइल की बात हो या कंडेशिंग एंड एयर कूलिंग यूनिट की बात हो, हर बात में उन्होंने महारत हासिल कर ली। इस समय तो वह एक और बड़ी फैक्ट्री लगाने की तैयारी में है। संतोष को पहली सफलता तब मिली जबकि डाइकिन जैसी जापानी कंपनी उसकी ग्राहक बनी। आज की तारीख में भारत में डाइकिन के जितने भी एयर कंडीशनर बनते हैं, चाहे वे इंडस्ट्रियल हो या इंस्टीच्यूशनल, सबमें केआरएन हीट एक्सचेंजर का ही हीट एक्सचेंजर लगा होता है। इसके अलावा स्लाइडर, ब्ल्यू स्टार, किर्लोस्कर आदि जैसी ख्यात कंपनियां उनकी ग्राहक बनी। आज की तारीख में वह अमेरिका, कनाडा, समेत इटली, जर्मनी और पोलैंड जैसे यूरोपीय देशों में भी निर्यात करते हैं। संतोष कुमार यादव की कंपनी अपनी विस्तार योजना पर तेजी से काम कर रही है। इसी क्रम में कंपनी नीमराना में ही एक और प्लांट लगा रही है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में गोल्ड ने बनाया नया रिकॉर्ड, पहली बार 2500 डॉलर के पार पहुंची कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत एक नई ऊंचाई पर पहुंच गई। स्पॉट गोल्ड पहली बार 2,500 डॉलर प्रति औंस के स्तर को छू गया। यह ऐतिहासिक उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की बढ़ती मांग और आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण आई है। इस सप्ताह सोने की कीमतों में 2.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निवेशकों के बीच सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बढ़ी है, जिससे इसकी कीमतें लगातार नए ऊंचाईयों पर पहुंच रही हैं।

टूटा पिछले महीने का रिकॉर्ड

तत्काल डिलीवरी वाले सोने का भाव अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को 2,500 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इस तरह गोल्ड ने पिछले महीने बनाए ऑल टाइम हाई लेवल के रिकॉर्ड को पार कर नए ऐतिहासिक उच्च स्तर का रिकॉर्ड बना लिया है। यह पहली बार है जब स्पॉट गोल्ड की कीमत 2,500 डॉलर पर पहुंची है।

क्यों चढ़ी कीमतें

सोने की कीमतों में उछाल की वजह फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीद है। निवेशकों को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व अगले महीने होने वाली फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक में ब्याज दरों को कम करने की शुरुआत कर सकता है। ब्याज दरों में कटौती से निवेशक दूसरे विकल्पों की तलाश करेंगे, जिससे सोना और अन्य कीमती धातुओं को लाभ होने की संभावना है। इसी उम्मीद में सोना रिकॉर्ड स्तर तक चढ़ गया है। सोने की इस रैली के पीछे वैश्विक आर्थिक चिंताओं, मुद्रास्फीति के दबाव और बाजार में अनिश्चितता जैसे कई कारक हैं, जो निवेशकों को सुरक्षित संपत्तियों की ओर आकर्षित कर रहे हैं। सोने की कीमतों में यह वृद्धि दर्शाती है कि मौजूदा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में निवेशक सुरक्षित और स्थिर संपत्ति की तलाश में हैं, जिसमें सोना सबसे प्रमुख विकल्प बना हुआ है।

न्यूयॉर्क के स्वतंत्र धातु व्यापारी ताई वोंग ने कहा, सोना नया रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुँच गया और 2,500 का स्तर पार कर गया, दो हफ्तों की अस्थिर ट्रेडिंग के बाद बुल्स ने आखिरकार अपनी शक्ति दिखा दी।

उन्होंने आगे कहा कि अब ध्यान जैक्सन होल और फेड चेयर पॉवेल के अगले शुक्रवार को भाषण पर जाएगा, जो आगामी ब्याज दर कटौती के आकार पर एक अधिक विस्तृत दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

क्रैश हुआ वेदांता की कंपनी का शेयर, ओएफएस को मिल रहा जबरदस्त रेस्पॉन्स

नई दिल्ली, एजेंसी। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की बिक्री पेशकश (ओएफएस) को पहले दिन जोरदार प्रतिक्रिया मिली। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि पहले दिन गैर-खुदरा निवेशकों ने 6.3 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां लगाईं। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार 5,14,40,329 इक्विटी शेयरों की पेशकश के मुकाबले कुल 6,36,05,891 इक्विटी शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। इस तरह पेशकश को 1.23 गुना या 137.39 प्रतिशत सब्सक्रप्शिन मिला। बोली के लिए 486 रुपये प्रति शेयर के बेस प्राइस के मुकाबले 494.54 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बोलियां मिलीं। हिंदुस्तान जिंक की प्रवर्तक वेदांता ने शुक्रवार को गैर-खुदरा निवेशकों को कंपनी के 5,14,40,329 इक्विटी शेयर बेचने की पेशकश की थी। वेदांता ने कहा कि वह सोमवार को खुदरा और गैर-खुदरा निवेशकों को इक्विटी पूंजी के 1.95 प्रतिशत या 8,23,04,527 इक्विटी शेयरों की अतिरिक्त पेशकश करेगी।

सब्जी उत्पादन की विशिष्ट समस्याएं

भारत की जलवायु तथा भूमि सब्जी उत्पादन के लिऐ अत्यन्त उपयुक्त है। उत्पादन तुलनात्मक दृष्टि से कम है क्योकि रोग/कीटों से हानि बहुत होती है। प्रमुख व्याधियां इस प्रकार हैं।

सोलेनेसी कुल के पौधों में निमेटोड की समस्या- फसलों में ज्यादातर बीमारियाँ फंफूदी बैक्टीरिया और वायरस द्वारा होती है। लेकिन सूत्रकृमि यानी निमेटोड भी फसलों, खासकर सब्जी की फसल के पौधों की जड़ों में गाँठ बनाकर नुकसान पहुंचाकर पैदावार को कम करते हैं। भारत में सब्जी उत्पादन में औसतन पैदावार में निमेटोड से तकरीबन 10-15 प्रतिशत का नुकसान होता है।

लक्षण

- निमेटोड के कारण जड़ गांठ बिमारी होती है,
- जिन खेतों में निमेटोड पहले से मौजूद होता है उन खेतों में पौधे पीले पड़कर गिरने लगते हैं।
- पौधों की जमीन से पोषक तत्वों लेने की ताकत कम होती है।
- जड़ों में गांठे बन जाती हैं, जिसके चलते पत्तियों का आकार छोटा हो जाता है।

रोकथाम

- टमाटर के बीज को कार्बोफ्यूरान से उपचारित करके बोना चाहिए।
- उचित फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- धान की फसल वाले खेतों में सब्जी उत्पादन करने से निमेटोड नहीं लगते हैं।
- गहरी जुताई गर्मी के मई-जून महीने में करना चाहिए।
- खेतों में नीम, महुआ, करंज व अरण्डी वगैरह की खली की खली की 15 से 24 क्विंटल मात्रा प्रति हेक्टर की दर से देना चाहिए।
- उचित किस्म का चयन जैसे टमाटर की निमोटेक्स, एनटीआर-1, एसएल-120, मिर्च की एनपी-46ए, पूसा ज्वाला करना चाहिए।

बैंगन का फल भेदक कीट

यह बैंगन का प्रमुख कीट है जिससे सबसे अधिक हानि होती है। यह कीट सफेद रंग का होता है तथा इसके पंखों पर भूरे रंग के धब्बे होते हैं। इसकी इल्ली सफेद या हल्के गुलाबी रंग की होती है तथा शरीर में बैंगनी रंग की धारियां होती हैं।

लक्षण

- यह कीट तने तथा फल में छेद करता है और अन्दर से काट देता है।
- इस कीट से बढ़ती हुई शिरायें मुरझाकर खत्म हो जाती है।
- फलों की गुणवत्ता में कमी आती है।
- फल बनने पर मैलाथियान 1.5 मिली. प्रति ली. पानी की दर से छिड़के इसे 10-15 दिन पर दोहराये।
- बैंगन की प्रतिरोधी किस्म- पंत सम्राट, पंत ऋतुराज, पूसा हाईब्रिड-6ए, 9, पूसा क्रांति आदि का उपयोग करना चाहिए।

भिण्डी में पीत शिरा विषाणु रोग

भिण्डी का यह प्रमुख रोग विषाणु के द्वारा होता है तथा इसका वाहक सफेद मक्खी होती है। यह रोग वर्षा ऋतु में अधिक फैलता है। रोग के कारण 90% तक की हानि हो सकती है।

लक्षण

- पौधे की वृद्धि रूक जाती हैं।

- पत्तियों की शिरायें पीली पड़ने लगती है।
- कुछ समय बाद पत्तियां सिकुड़ने तथा मुड़ने लगती हैं। अंततः पूरा पौधा पीला पड़ जाता है।
- फल का आकार भी छोटा हो जाता है तथा वो पीला पड़ जाता है।

रोकथाम

- खेत की साफ-सफाई अच्छे से करना चाहिए।
- रोगग्रस्त पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए।
- कीट वाहक के नियंत्रण के लिए डायजिनान 20ई.सी. 1मि.ली./ लिटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- कार्बोफ्यूरान 1किलो ग्राम प्रति है बोते समय डालना चाहिए। रोग प्रतिरोधी किस्में जैसे अर्का अनामिका, अर्का अभय, वर्षा उपहार, वी.आर,ओ,- 6 का उपयोग करना चाहिए।

प्याज का बैंगनी धब्बा (पर्पल ब्लांच) -

यह एक फंफूद जनक रोग है। यह अधिकतर 28-30 डिग्री तापमान और 70-90% आर्दता इस रोग के लिए उपयुक्त होती है। सामान्यतः यह खरीफ में रबी की अपेक्षा अधिक होती है यह रोग फरवरी से अप्रैल के मध्य लगता है।

लक्षण

- शुरूआत में पत्तियों पर छोटे सफेद रंग के धब्बे हो जाते हैं, जिनका मध्य भाग बैंगनी रंग का होता है।
- बाद में बैंगनी धब्बे बड़े हो जाते हैं।
- पत्तियों एवं तना सूखने लगता है और गिर जाता है।

रोकथाम

- खेत में साफ-सफाई रखना चाहिए।
- उचित फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- समय पर दवाईयों का छिड़काव करना चाहिए। द्य मैन्कोजेब 2 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।
- रोग प्रतिरोधी किस्में जैसे अर्का कल्याण, नासिक रेड का फसल उत्पादन में प्रयोग करना चाहिए।

बैंगन की छोटी पत्ती

यह रोग बैंगन में माइकोप्लाज्मा के द्वारा होता है इसका वाहक फुदका होता है। यह बैंगन का प्रमुख रोग है। इसके कारण 100% तक की हानि हो जाती है।

लक्षणः

- रोगग्रस्त पौधों की पत्तियां पतली पड़ जाती हैं।
- पत्तियाँ छोटी पड़ जाती और शीर्ष में झुंड बन जाता है।
- पौधों में पुष्प नहीं लगते है।
- पौधों की वृद्धि रूक जाती है एवं धीरे-धीरे पौधा सूखने लगता है।

रोकथाम

- रोगग्रस्त पौधों को उखाड़ कर जला देना चाहिए।
- खेत में साफ-सफाई रखना चाहिए।
- उचित फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- रटून फसल नहीं लेना चाहिए।
- पौधे को रोपाई के पूर्व 0-2% कार्बोफ्यूरान (75%) के घोल में 24 घण्टे के लिए रखकर रोपाई करना चाहिए।
- 10 से 50 पीपीएम टैट्रासाईक्लिन का छिड़काव करना चाहिए।

मिर्च को बचाएं कीट व रोग से

एकीकृत कीट प्रबंधन

थ्रिप्स

फूल लगने के समय प्रकोप बहुत भयंकर हो जाता हैं पत्तियां सिकुड़ जाती हैं तथा मुरझा कर मुड़ जाती हैं।

नियंत्रण

- थायामिथोक्जाम 5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें।

नीम बीज अर्क 4 प्रतिशत का छिड़काव करें।

- फिपरोनिल 5 प्रतिशत एस.सी.1.5 मि.ली./ लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

माहो

कोमल भागों से रस चूसकर पत्तियों एवं कोमल भागों पर मधुरस स्त्राव करते हैं, जिससे सूटी मोल्ड विकसित हो जाती है। परिणामस्वरूप फल काले पड़ जाते हैं। यह कीट मोजेक रोग का प्रसार करता है।

नियंत्रण

- रस चूसने वाले कीटों की रोकथाम के लिये कीट के प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में नीम तेल 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें।
- प्रकोप अधिक होने पर डायमिथियेट 30 ई.सी. की 2 मिली. मात्रा को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- कीट के अत्यधिक प्रकोप की अवस्था में एसीफेट 1 ग्राम प्रति लीटर पानी या इमीडा क्लोप्रिड 18.5 एस.एल. की 5 मिली. मात्रा 15 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

सफेद मक्खी इस कीट का वैज्ञानिक नाम बेमेसिया टेबेकाई है। इस कीट के शिशु एवं वयस्क पत्तियों की निचली सतह से रस चूसते हैं। यह कीट पर्ण कुंचन, रोग को एक पौधे से दूसरे पौधे में फैलाते हैं।

नियंत्रण

- कीट की प्रारंभिक अवस्था में डायमिथियेट की 2 मिली मात्रा को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- अधिक प्रकोप की अवस्था में थायोमिथोक्साम 25 डब्ल्यू.जी.की 5 ग्राम मात्रा प्रति 15 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

रोग प्रबंधन

एन्थ्रेक्नोज- मिर्च का यह अति व्यापक रोग है। यह रोग कोलेटोट्राइकम कैप्सीकी नामक फफूंदी से होता है। विकसित पौधों पर रोग के कारण शाखाओं का कोमल शीर्ष अग्र उतकक्षयी होकर सूख जाता है। बाद में सूखने की क्रिया नीचे की ओर बढ़ती है। इस अवस्था को शीर्षारम्भिक्षय कहते हैं। फलों पर यह रोग पकने की अवस्था में होता है। जब फल लाल होने लगते हैं उन पर छोटे काले ओर गोल धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे फल की लंबाई में बढ़ते हैं। बाद में इनका रंग धूसर हो जाता है। अंतिम अवस्था में फल काले होकर गिर जाते हैं।

प्रबंधन

- स्वस्थ एवं प्रमाणित बीज बोना चाहिए। - फसल से समय-समय पर रोगी पौधे उखाड़ें रहे और फल अवशेष जला देना चाहिए। - बोने से पहले बीज को फफूंदनाशक दवा कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित करें। - ब्लाइटॉक्स-50, डाइथेन एम-45, 0.25 प्रतिशत घोल का साप्ताहिक छिड़काव करें। द्य फसल चक्र अपनाना चाहिए।

फल गलन

यह रोग फाइटोप्थोरा केपसिकी नामक फफूंद से होता है। इस रोग में फलों पर भूरे रंग के धब्बे बन जाते हैं एवं फल सड़ जाते हैं।

प्रबंधन

- जल निकास का उचित प्रबंध करें। - उपयुक्त फसल - चक्र, खरपतवार का प्रबंध और पानी का अच्छा निकास इस रोग की रोकथाम के लिये आवश्यक है। - 0-10 दिन के अंतर पर बोर्डोमिश्रण (1 प्रतिशत) अथवा डाइथेन एम-45 या मेटालेक्सिल (0.25 प्रतिशत) का छिड़काव करना चाहिए।

चूर्णिल आसिता -

यह रोग एरीसाइफी साइको रेसिएरम नामक फफूंद से होता है। रोग के लक्षण सर्वप्रथम सामान्यतः पत्तियों की ऊपरी सतह एवं नए तनों पर सफेद चूर्णी धब्बे के रूप में दिखाई देते हैं। धब्बों पर उपस्थित चूर्ण टॅल्कम पाउडर से मिलता - जुलता है।

प्रबंधन

- गंधक (0.2 प्रतिशत), कैराथन (0.1 प्रतिशत) या कैलिक्सिन (0.05 प्रतिशत का 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए।

ईशान किशन ने बुची बाबू टूर्नामेंट में शतक जड़ा

- मध्यप्रदेश के खिलाफ 114 रन की पारी खेली, बांग्लादेश सीरीज के लिए दावेदारी पेश की

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने घरेलू टूर्नामेंट बुची बाबू में मध्यप्रदेश के खिलाफ शतक जड़ कर टीम में वापसी की दावेदारी पेश की है। ईशान करीब 8 महीने से टीम से बाहर चल रहे हैं।

वे पिछले साल के आखिरी महीने में साउथ अफ्रीका दौरे को बीच में ही छोड़ कर ब्रेक पर चले गए थे। इस दौरे में उन्हें टी-20 और टेस्ट टीम में जगह दी गई थी। उन्हें टी-20 के एक भी मैच में प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला था। वह वनडे स्क्वॉड का हिस्सा नहीं थे। इसके बाद टेस्ट सीरीज में उनका नाम था, लेकिन वे पहले ही भारत लौट गए थे। ईशान बुची बाबू टूर्नामेंट में झारखंड की कप्तानी कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के खिलाफ मैच में उन्होंने 107 गेंदों पर 114 रन की पारी खेली जिसमें 10 छक्के और 5 चौके शामिल हैं। ईशान जब 92 के स्कोर पर बल्लेबाजी कर रहे थे, उसके बाद उन्होंने लगातार दो छक्के जड़ कर अपना शतक पूरा किया।ईशान ने मध्य प्रदेश के खिलाफ मैच में107 गेंदों पर 114 रन की पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और 5 चौके शामिल हैं।

मध्यप्रदेश के खिलाफ झारखंड ने एक समय 108 रन पर 3 विकेट खो दिए थे। जब ईशान किशन क्रीज पर पहुंचे उस समय उनकी टीम झारखंड 113 रन से पिछड़ रही थी। इसके बाद उन्होंने शतकीय पारी खेलकर झारखंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। ईशान ने अपनी जिम्मेदारी समझते हुए 61 गेंदों पर हाफ सेंचुरी पूरी की। इसके बाद अगले 50 रन उन्होंने महज 37 गेंदों पर बनाया।

श्रीलंकाई बल्लेबाज

निरोशन डिकवेला डोपिंग में फंसे

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला को डोपिंग टेस्ट में विफल पाये जाने पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंधित कर दिया गया है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने यहां जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डिकवेला पर निलंबन तत्काल प्रभाव से लागू होगा और तब तक जारी रहेगा जब तक कि आगे की सूचना न दी जाए। विज्ञप्ति अनुसार, ''लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2024 के दौरान श्रीलंका एंटी-डोपिंग एजेंसी द्वारा आयोजित परीक्षण खेल की अखंडता बनाए रखने के लिए एसएलसी की प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

खेल मंत्रालय के सहयोग से और विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के दिशानिर्देशों के अनुसार की गई इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि क्रिकेट निषिद्ध पदार्थों के प्रभाव से मुक्त रहे। एसएलसी, खेल मंत्रालय और एसएलएडीए के साथ मिलकर खेल को डोपिंग उल्लंघनों से बचाने के लिए घरेलू टूर्नामेंटों के दौरान इन परीक्षणों को भी आयोजित कराया जाता है।

डिकवेला हाल ही में संपन्न लंका प्रीमियर लीग (एसपीएल) के दौरान विश्व डोपिंग रोधी दिशा-निर्देशों के तहत आयोजित एक डोपिंग टेस्ट को पास करने में विफल रहे हैं। आगे की जांच पूरी होने तक उन्हें क्रिकेट के सभी प्रारूपों से निलंबित कर दिया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज डिकवेला ने एलपीएल 2024 में गैल मार्वल्स की टीम की कप्तानी की थी।

वह आखिरी बार मार्च 2023 में राष्ट्रीय टीम के लिए खेले थे। इस साल की शुरुआत में बंगलादेश के खिलाफ श्रीलंका की टी-20 सीरीज के लिए उन्हें टीम में शामिल किया गया था। हालांकि उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला था।

डेविस कप टीम में सुमित नागल की वापसी

11 साल बाद टीम को मिला नया कोच

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के टॉप सिंगल्स खिलाड़ी सुमित नागल ने स्वीडन के खिलाफ वर्ल्ड ग्रुप एक मुकाबले के लिए डेविस कप टीम में वापसी की है। यह मुकाबला 14-15 सितंबर को स्टॉकहोम में होने वाला है। हालांकि, युकी भांबरी ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले से बाहर रहने का फैसला किया है, जिससे टीम में कुछ बदलाव देखने को मिलेंगे। सुमित नागल, जो हाल ही में फॉर्म में चल रहे हैं, टीम की अगुआई करेंगे। इससे पहले, नागल पाकिस्तान के खिलाफ हुए ऐतिहासिक मुकाबले में नहीं खेल पाए थे। वहीं, इस्लामाबाद में हुए उस मुकाबले में शशिकुमार मुकुंद भी शामिल नहीं हो पाए थे, और इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार करने के कारण उन्हें दो मुकाबलों के लिए निलंबित किया गया था। इस कारण मुकुंद को इस बार भी टीम में जगह नहीं मिली।

इन खिलाड़ियों को मिला मौका

डेविस कप टीम में सुमित नागल के अलावा रामकुमार रामनाथन, एन श्रीराम बालाजी, निकी पूनाचा और पूर्व नेशनल चैंपियन सिद्धार्थ विश्वकर्मा भी शामिल हैं। आर्यन शाह को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में चुना गया है। युकी भांबरी, जो रोहन बोपन्ना के संन्यास के बाद भारत के नंबर एक डबल्स खिलाड़ी हैं, उन्होंने इस मुकाबले से बाहर रहने का निर्णय लिया है। चयन समिति के अध्यक्ष नंदन बाल ने बताया कि युकी ने अपनी अनुपलब्धता का कोई कारण नहीं बताया है। हालांकि, एआईटीए (ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन) के सूत्रों के अनुसार, युकी इस बात से खुश नहीं थे कि उन्हें पेरिस ओलंपिक के लिए नहीं चुना गया। यह भी बताया गया कि रोहन बोपन्ना ने बालाजी के साथ खेलने का फैसला किया था, और यह निर्णय पूरी तरह से उनका था।

रोहित राजपाल होंगे कप्तान- टीम के कप्तान रोहित राजपाल भी वापसी करेंगे, जो व्यक्तिगत कारणों से पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेल पाए थे। एआईटीए ने यह भी स्पष्ट किया कि वे विभिन्न संयोजनों को आजमाएंगे और यह देखेंगे कि टीम किस संयोजन के

साथ बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। जीशान अली के डेविस कप कोच के पद से इस्तीफा देने के बाद, नेशनल टीम के नए कोच के रूप में पूर्व नेशनल चैंपियन आशुतोष सिंह को नियुक्त किया गया है। एआईटीए के पास दिल्ली के खिलाड़ी आशुतोष सिंह और एम बालचंद्रन के रूप में दो विकल्प थे, लेकिन खिलाड़ियों के विचारों को ध्यान में रखते हुए आशुतोष सिंह को कोच चुना गया।

मेरे अंदर कुश्ती और लड़ाई हमेशा रहेगी: विनेश

ओलिंपिक से अयोग्य होने के बाद पहली प्रतिक्रिया

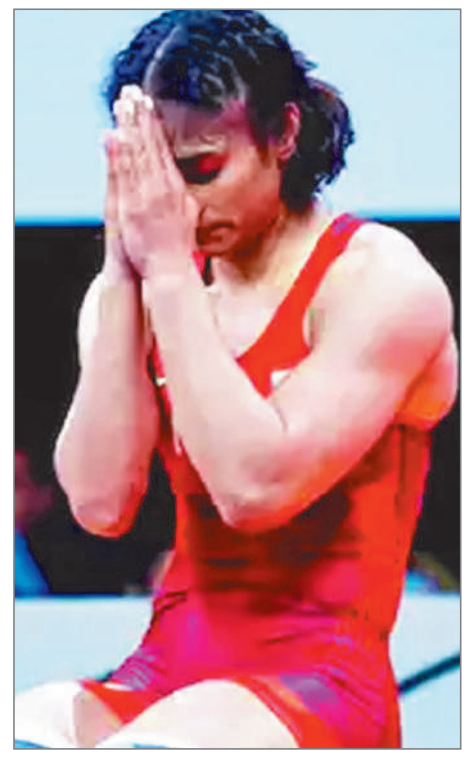

नईदिल्ली, एजेंसी। 29 साल की रेसलर विनेश फोगाट ने पेरिस ओलिंपिक से अयोग्य होने के बाद शुक्रवार, 16 अगस्त को पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने 3 पेज का लेटर लिखा।

विनेश ने कहा, जो पेरिस में हुआ अगर वो न होता तो मैं ओलिंपिक 2032 तक खेलती, क्योंकि मेरे अंदर लड़ने की भावना और कुश्ती हमेशा रहेगी। मुझे नहीं पता कि भविष्य क्या है और मेरे लिए सफर में आगे क्या होगा, लेकिन एक बात पक्की है कि मैं हमेशा उस बात के लिए लड़ती रहूंगी, जो मुझे सही लगती है। उन्होंने कहा, कहने को काफी कुछ है, लेकिन शब्द कभी पर्याप्त नहीं होंगे। हो सकता है कि जब समय सही हो मैं इस पर दोबारा बात करूं। पेरिस ओलिंपिक के दौरान विनेश 7 अगस्त को फाइनल से ठीक पहले 100 ग्राम ओवरवेट होने के कारण अयोग्य घोषित कर दी गई थीं। विनेश ने बताया, मैंने रातभर वजन कम करने की कोशिश की। करीब साढ़े पांच घंटे तक कड़ी मेहनत की, लेकिन अपने वजन को अपनी वेट कैटेगरी 50 द्यद्द पर नहीं ला सकी। उधर उनके फॉरेन कोच वॉलर अकोस ने आज खुलासा किया, एक समय हमें लगा कि विनेश मर जाएगी।

विनेश ने बताया, फाइनल के पहले तक हमने हार नहीं मानी

विनेश ने लेटर में बताया, 6 अगस्त की रात और 7 अगस्त की सुबह, हमने हार नहीं मानी। हमारी कोशिशें नहीं रुकीं। हम झुके नहीं, लेकिन घड़ी रुक गई और समय सही नहीं था। मेरा भाग्य भी साथ नहीं था। मेरी टीम, भारतीयों के लिए, मेरे परिवार के लिए, हम जिस गोल के लिए काम कर रहे थे। वो अधूरा रह गया। ये हमेशा मिसिंग रहेगा।

गोल्ड नहीं जीत पाए फिर भी नीरज चोपड़ा को हुआ करोड़ों का फायदा

400 करोड़ तक जा सकती है ब्रांड वैल्यू

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा देश के सबसे कामयाब और मौजूदा समय में सबसे अमीर ओलंपिक खिलाड़ियों में शामिल हैं। नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक में जैवलिन थ्रो इवेंट का गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद पेरिस में उनके नाम सिल्वर रहा। नीरज पेरिस में अपने गोल्ड का बचाव तो नहीं कर सके लेकिन लगातार दूसरे ओलंपिक में देश के लिए मेडल जरूर लाए। पेरिस में वह पाकिस्तान के अरशद नदीम से पिछड़े जिन्होंने 92.97 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड अपने नाम किया।

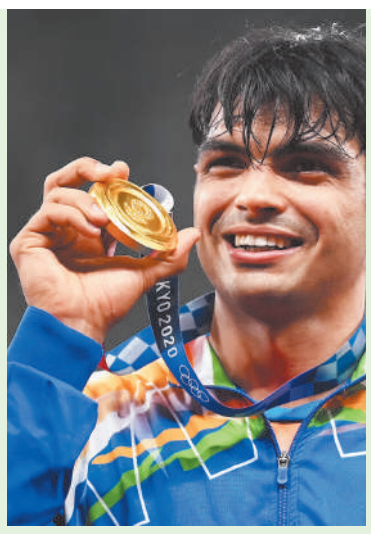

- **गोल्ड से चूकने पर भी हुआ फायदा-** नीरज भले ही गोल्ड से चूक गए हो लेकिन उनकी ब्रांड वैल्यू में कमी नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सिल्वर जीतने के बावजूद नीरज चोपड़ा की नेटवर्थ बढ़ने वाली है और इसका कारण है उनकी ब्रांड वैल्यू में इजाफा।
- **नीरज से जुड़ने वाले हैं नए ब्रांड्स-** मनीकॉन्ट्रोल की रिपोर्ट की माने तो नीरज चोपड़ा टोक्यो के बाद ब्रांड वैल्यू के मामले में काफी बड़ा नाम बन चुके हैं। वह पेरिस ओलंपिक से पहले 24 ब्रांड को एंडोर्स कर रहे थे। पेरिस में सिल्वर जीतने के बाद अब नीरज के साथ 6 से 8 नए ब्रांड जुड़ने वाले हैं। डील को लेकर बातचीत चल रही है और जल्दी यह फाइनल भी हो जाएंगी। इसका मतलब यह है कि इन डील के फाइनल होने के बाद नीरज चोपड़ा की 24 ब्रांड की संख्या 32 से 34 तक पहुंच सकती है।
- **बढ़ जाएगी फीस-** नीरज के साथ जुड़ने वाले नए ब्रांड में स्पोर्ट्सवेयर कंपनी अंडर अरमौर और स्विच वॉच कंपनी ओमेगा जैसे बड़े नाम भी शामिल है। अगर यह डील हो जाती है तो नीरज चोपड़ा कमाई के मामले में कई स्टार क्रिकेटर से भी आगे होंगे। मौजूदा समय में उनकी बराबरी पर भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या हैं। हार्दिक 20 कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर है। उनकी ब्रांड वैल्यू के लिहाज से उनका हर ब्रांड की डील के लिए सलाना लगभग ढाई करोड रुपए दिए जाते हैं। दूसरी और बात करें नीरज चोपड़ा की तो नीरज चोपड़ा को हर एंडोर्समेंट के लिए सालाना 3 करोड रुपए मिलते हैं। लगातार दो ओलंपिक मेडल जीतने के बाद नीरज की यह फीस प्रति ब्रांड 4.5 करोड़ तक पहुंच सकती है।
- **ब्रांड वैल्यू में 50 फीसदी का इजाफा-** कुछ अन्य मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साल के आखिर तक नीरज चोपड़ा की कुल ब्रांड वैल्यू में 50त्न का इजाफा हो सकता है। इस समय स्टार एथलीट की ब्रांड वैल्यू लगभग 248 करोड रुपए है। 50 फीसदी बढ़ाने के बाद यह ब्रांड वैल्यू 377 करोड़ तक पहुंच जाएगी।

टॉप सीड स्वीयाटेक ने सिनसिनाटी में बारिश से प्रभावित दिन

क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

सिनसिनाटी (यूएसए), एजेंसी। महिलाओं की नंबर 1 वरीयता प्राप्त इगा स्वीयाटेक ने यहां सिनसिनाटी ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, और टूर पर मार्टा कोस्ट्युक के खिलाफ अपना सही रिकॉर्ड बरकरार रखा। स्वीयाटेक ने 15वें नंबर की खिलाड़ी कोस्ट्युक को 70 मिनट में 6-2, 6-2 से हराया। पिछले दिन बारिश के कारण कार्यक्रम बाधित होने के बाद शुक्रवार को यह पहला पूर्ण मैच था।

गुरुवार को जो मैच स्थगित किए गए उनमें दूसरे दौर में जेसिका पेगुला बनाम करोलिना मुचोवा, झेंग क्विनवेन बनाम मैग्डालेना फ्रेच और कैरोलिन वोज्नियाकी के खिलाफ अनस्तासिया पाव्लुचेनकोवा शामिल हैं। स्वीयाटेक ने अपनी पिछली दोनों प्रो भिड़ंतों में, रौलां गैरो 2021 में और इस वर्ष मार्च में इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में - साथ ही 2017 में एक जूनियर मुकाबले में यूक्रेनी खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराया था। पोल अपने दूसरे सिनसिनाटी क्वार्टरफाइनल में आगे बढ़ी, जो पिछले साल सेमीफाइनल में पहुंची थी।

खिलाड़ी से कोच बनने के लिए मानसिक रूप से तैयारी करनी होगी :श्रीजेश

कोच्चि (एजेंसी)। भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश को यहां पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि अगले दो तीन महीने पर खिलाड़ी से कोच बनने के लिए खुद को तैयार करने पर बिताएंगे। यहां उनके स्वागत में हवाई अड्डे से पालारिवत्तोम तक रोडशो किया गया।

श्रीजेश ने कहा, 'देश के लिए कड़ी मेहनत करके, कई कुर्बानियां देकर पदक जीता और यह सिर्फ मेरा नहीं बल्कि देश का पदक है। इस खुशी का हिस्सा बनना सोने पे सुहागे जैसा है। खुशी दुगुनी हो गई है। उन्होंने कहा, 'अब मुझे एक खिलाड़ी से एक कोच बनना है। इसके लिए मानसिक रूप से तैयारी करनी होगी। अगले दो तीन महीने वही करूंगा।

यहां पहुंचने पर श्रीजेश के स्वागत के लिए काफी भीड़ जमा थी जिनमें कई विधायक भी थे। लोगों ने हाथ में श्रीजेश की तस्वीर वाले प्लेकार्ड ले रखे थे। रोडशो के दौरान खुली जीप में श्रीजेश ने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

कांतारा सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म

ऋषभ भट्ट ने जीता राष्ट्रीय पुरस्कार

70 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के विजेताओं की ऐलान करा दिया गया है। ऋषभ शेट्टी ने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म कांतारा के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता। इसके अलावा भी संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का पुरस्कार कांतारा को मिला है। अब इस बड़ी सफलता के बाद फिल्म के लीड एक्टर ऋषभ शेट्टी काफी उत्साहित हैं और उन्होंने अपनी जीत की खुशी जाहिर की है। उन्होंने इस जीत का श्रेय अपने दर्शकों को दिया है। साथ कहा कि उन्हें फैंस का समर्थन जिम्मेदारी का अहसास कराता है।

ऋषभ शेट्टी ने अपने फैंस के लिए एक खास संदेश साझा किया है। उनका कहना है, मैं कांतारा के लिए नेशनल अवॉर्ड का सम्मान पा कर बहुत ही खुश हूं। मैं अपने दिल से शुक्रिया अदा करता हूं उन सबको जो इस सफर का हिस्सा रहे, बेहतरीन आर्टिस्ट्स की टीम, तकनीशियनों की टीम और खास कर के होम्बले फिल्म्स का।

दर्शकों ने इस फिल्म को सफल बनाया है और उनका समर्थन मुझे बहुत जिम्मेदार महसूस कराता है। मैं अपने दर्शकों के लिए और भी बेहतर फिल्म बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए कमिटेड हूं। खूब सारे सम्मान के साथ, मैं यह अवार्ड हमारे कन्नड़ दर्शकों, दैव नर्तक और अप्पू सर को डेडिकेट करता हूं। मैं ईश्वर को धन्यवाद देता हूं क्योंकि दैवीय आशीर्वाद से हम इस खास पल तक पहुंचे हैं।

जब अनुष्का शर्मा को इस फिल्म निर्माता ने दिया रियलिटी चेक

बड़े पर्दे पर विभिन्न प्रकार की भूमिकाएं निभाकर दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने खुलासा किया है कि कैसे फिल्म निर्माता आदित्य चोपड़ा ने उन्हें उनके अहंकारी स्वभाव के लिए रियलिटी चेक दिया था। इंटरनेट पर वायरल हो रहे एक थ्रोबैक वीडियो में, हम अनुष्का को यह खुलासा करते हुए देख सकते हैं कि अभिनेत्री बनने से पहले वह कितनी घमंडी थीं।

वीडियो में अनुष्का को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ईमानदारी से कहूं तो अभिनेता बनने से पहले मैं बहुत घमंडी हुआ करती थी। मैं स्कूलों और अन्य सभी जगहों पर बहुत अधिक लोगों से बात नहीं करती थी। मैं वास्तव में दंभी थी। अनुष्का ने कहा, एक बार जब मैं अभिनेत्री बन गई तो आदित्य चोपड़ा ने मेरा रियलिटी चेक किया। उन्होंने कहा, तुम फिल्म कर रही हो, लेकिन तुम्हें पता है क्या तुम सबसे अच्छी दिखने वाली लड़की नहीं हो। तब तक मैं सोचता थी कि मैं सबसे बेहतर हूं। अनुष्का ने 2008 में रोमांटिक कॉमेडी फिल्म रब ने बना दी जोड़ी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जो आदित्य चोपड़ा द्वारा लिखित और निर्देशित थी और उनके पिता यश चोपड़ा द्वारा यश राज फिल्म्स के प्रोडक्शन बैनर के तहत निर्मित की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

10 एकड़ में नई टाउनशिप बसाने की तैयारी

नईदिल्ली , एजेंसी। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) गाजियाबाद जनपद में किसानों के साथ मिलकर लैंड पूलिंग योजना के तहत दस एकड़ क्षेत्रफल में नई टाउनशिप लाने की तैयारी कर रहा है। इस संबंध में किसानों से कई दौर की वार्ता हो चुकी है। साथ ही अन्य क्षेत्रों के किसानों से भी वार्ता की जा रही है, ताकि प्राधिकरण क्षेत्र में एक और आवासीय योजना लाई जा सके। वर्ष 2004 के आसपास जीडीए ने मधुबन बापूधाम आवासीय योजना लॉन्च की थी। इसके बाद से कोई भी आवासीय योजना नहीं लाया है। हालांकि प्राधिकरण ने आवासीय योजना लाने का कई बार प्रयास किया, लेकिन जमीन की उपलब्धता न होने के कारण प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। इसी तरह की अन्य प्राधिकरणों में भी समस्याएं सामने आईं, जिन्हें देखते हुए वर्ष 2019 में शासन लैंड पूलिंग योजना लाया। इस योजना को परवान चढ़ाने के लिए 25 एकड़ जमीन का होना अनिवार्यता था। अब शासन स्तर से लैंड पूलिंग योजना 2024 में संशोधित किया जा रहा है, जिसके तहत दस एकड़ जमीन पर भी इसे लाया जा सकता है। जमीन का क्षेत्रफल कम करते हुए 60 फीसदी किसान के तैयार होने पर लैंड पूलिंग किए जाने की अनुमति दी गई है। जीडीए ने भी लैंड पूलिंग योजना लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जानकार बताते हैं कि इसमें बुनियादी सुविधाएं जैसे सड़क, सीवरेज, एसटीपी, पार्क, हरित पट्टी की करीब 45 फीसदी जमीन अलग निकाल ली जाती है। इसके अलावा 55 फीसदी जमीन में से कम से कम 25 फीसदी जमीन विकसित कर किसानों को दे दी जाती है। इस 25 फीसदी में से पांच फीसदी किसान को मिश्रित भू-उपयोग के रूप में दिया जा सकता है, जबकि पहले मिश्रित भू-उपयोग का नियम नहीं था। यदि छोटे किसान की जमीन ली जाती है और वह विकसित भूखंड को प्राधिकरण को ही वापस करना चाहते हैं, तो जीडीए वर्तमान कीमत के हिसाब से पैसा देना होगा। वैसे तो जीडीए क्षेत्र में कही भी लैंड पूलिंग योजना को लाया जा सकता है, लेकिन जीडीए मुख्य रूप से इस योजना के लिए राजनगर एक्सटेंशन, डासना, इंद्रप्रस्थ, दुहाई आदि के आसपास लाना चाहता है, ताकि वहां तक सभी सुविधाएं आसानी से पहुंच सके। साथ ही क्षेत्र की सभी जगह से कनेक्टिविटी भी रहे। इस कारण इन्हीं क्षेत्रों के किसानों से मुख्य रूप से बात की जा रही है। हालांकि अन्य क्षेत्र की किसान भी इस योजना का लाभ ले सकते हैं।

जनमत सर्वेक्षण - हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं, भाजपा सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। मैट्रिज सर्वेक्षण एजेंसी द्वारा किए गए और शुक्रवार को टाइम्स नाउ द्वारा प्रसारित एक जनमत सर्वेक्षण के अनुसार, अगर आज विधानसभा चुनाव होते हैं तो हरियाणा, झारखंड या महाराष्ट्र में कोई भी पार्टी पूर्ण बहुमत हासिल करने की स्थिति में नहीं है। 288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को थोड़ी बढ़त है, हालांकि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) बहुत पीछे नहीं है। सर्वेक्षण के मुताबकि महाराष्ट्र में भाजपा को 95 से 105 सीटें, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 19 से 24 सीटें और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को 7 से 12 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं, कांग्रेस को 42 से 47 सीटें, शिवसेना-यूबीटी (उद्धव ठाकरे गुट) को 26 से 31 सीटें और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी-एसपी को 23 से 28 सीटें मिलने की उम्मीद है, जबकि अन्य दलों और उम्मीदवारों को 11 से 16 सीटें मिलने का अनुमान है। मतों के संदर्भ में सर्वे में भाजपा को 25.8, शिवसेना को 14.2, अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को 5.2फीसदी मिलने का अनुमान है। जबकि कांग्रेस को 18.6, शिवसेना-यूबीटी को 17.6, शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को 6.2 और अन्य को 12.4फीसदी मत मिलने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री के लिए सबसे पसंदीदा उम्मीदवारों की सूची में एकनाथ शिंदे सबसे आगे हैं। सर्वेक्षण में शामलि 27फीसदी उत्तरदाताओं ने उन्हें बतौर मुख्यमंत्री पसंद कयिा। सर्वे में शामिल 23फीसदीलोगों ने उद्धव ठाकरे का, 21फीसदीने देवेंद्र फडणवीस और 9फीसदी लोगों ने शरद पवार का समर्थन किया। शेष 20फीसदी उत्तरदाताओं ने अन्य उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी। उधर, हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है।

1984 के सिख विरोधी दंगे : सीबीआई वाले केस में जगदीश टाइटलर की बढ़ेंगी मुश्किलें

नईदिल्ली , एजेंसी।
दिल्ली में 1984 के सिख-विरोधी दंगों के दौरान पुल बंगश गुरुद्वारा इलाके में तीन लोगों की कथित हत्या से जुड़े सीबीआई के मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट ने टाइटलर के खिलाफ आरोप तय करने के लिए अब 30 अगस्त की तारीख तय की है।

स्पेशल सीबीआई जज राकेश सियाल ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान कहा कि आरोप तय करने के लिए 30 अगस्त की तारीख तय की गई है। सीबीआई ने इस मामले में पिछले साल मई में कांग्रेस नेता टाइटलर के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल किया था। बहस के दौरान बचाव पक्ष के वकील मनु शर्मा ने तीन मूर्ति हाउस में दूरदर्शन की शूटिंग का एक वीडियो रिकॉर्ड पर रखा था, जहां इंदिरा गांधी का शव रखा गया था। बचाव पक्ष के वकील ने तर्क दिया था कि एक वीडियो के अनुसार, कथित घटना के दिन टाइटलर तीन मूर्ति हाउस में मौजूद थे।

इस दावे को सीबीआई और दंगा पीड़ितों के वकील सीनियर एडवोकेट एच.एस. फुल्का ने खारिज कर दिया। सीबीआई ने अमिताभ बच्चन के बयान का भी हवाला दिया था, जिसमें कहा गया था कि 1 नवंबर 1984 को टाइटलर पूरे दिन वहां मौजूद नहीं थे।

मनु शर्मा ने तर्क दिया था कि सीबीआई ने तीन क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थीं। सीबीआई ने सह-आरोपी सुरेश कुमार पनेवाला के खिलाफ 2009 में आरोप पत्र दाखिल किया था। उसे ट्रायल कोर्ट ने बरी

कर दिया था।

यह भी तर्क दिया गया कि 1984 से लेकर 2022-23 तक कोई गवाह नहीं आया। 40 साल की लंबी अवधि के बाद गवाह सामने आ रहे हैं। उन पर कैसे भरोसा किया जा सकता है?

सीबीआई ने 16 अप्रैल को आरोप तय करने पर अपनी दलीलें पूरी कर ली थीं। सीबीआई ने कहा था कि ऐसे चश्मदीद गवाह हैं, जिन्होंने 1984 के दंगों के दौरान जगदीश टाइटलर को भीड़ को उकसाते हुए देखा था। आरोपी जगदीश टाइटलर के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सामग्री है। सीबीआई के वकील ने अपनी दलीलों के दौरान चार प्रत्यक्षदर्शियों के बयान पढ़े, जिनमें सुरेंद्र सिंह भी शामिल हैं, जिन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद आरोपियों को भीड़ को उकसाते हुए देखा था। यह मामला 1 नवंबर 1984 को पुल बंगश गुरुद्वारे के सामने तीन सिखों ठाकुर सिंह, बादल सिंह और गुरचरण सिंह की कथित हत्या से जुड़ा है। कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर इस मामले में आरोपी हैं।

सीबीआई ने उनके खिलाफ 20 मई 2023 को पूरक आरोप पत्र दाखिल किया था। पूरक आरोप पत्र का संज्ञान लेने के बाद कोर्ट द्वारा जारी समन के खिलाफ 5 अगस्त को टाइटलर कोर्ट में पेश हुए। इसके बाद वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। इससे पहले, उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद सत्र न्यायालय ने 4 अगस्त 2023 को उन्हें अग्रिम जमानत दे दी थी।

20 मई को सीबीआई ने 31 अक्टूबर 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री की हत्या के बाद 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों से संबंधित एक मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर, जो उस समय सांसद थे, उन्हें आरोप पत्र में आरोपी बनाया गया है।

सीबीआई ने एक बयान में उल्लेख किया कि एजेंसी ने नवंबर 2005 में एक घटना पर तत्काल मामला दर्ज किया था, जिसमें दिल्ली के बाड़ा हिंदू राव के आजाद मार्केट में गुरुद्वारा पुल बंगश को भीड़ द्वारा आग लगा दी गई थी और 1 नवंबर 1984 को गुरुद्वारा पुल बंगश के पास सरदार ठाकुर सिंह, बादल सिंह और गुरचरण सिंह नामक तीन व्यक्तियों को जलाकर मार दिया गया था।

17 महीने बाद अपने परिवार के पास लौटा हूं, पदयात्रा में लोगों से बोले सिसोदिया; दुकान में खाई आइसक्रीम

नईदिल्ली , एजेंसी। जेल से 17 महीने के बाद जमानत पर बाहर आए दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार से पदयात्रा की शुरुआत की। सिसोदिया ने कहा कि आज 17 महीने के बाद अपने परिवार के बीच आया हूं। बड़ी संख्या में लोग पहुंचे सिसोदिया ने शाम करीब सात बजे कालकाजी डीडीए फ्लैट्स के पास से यात्रा शुरू की। उनके आने की खबर के बाद बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर खड़े थे। घरों की छतों पर भी लोग मौजूद थे। बच्चे भी अपने अभिभावकों के साथ सड़कों पर खड़े हुए थे।

सिसोदिया सड़क पर खड़े लोग, रिक्शा से जा रहे लोगों से रुक-रुककर मिले। दुकानों पर जाकर भी लोगों से मुलाकात करके उनका हालचाल जाना। एक महिला उनके पास रोते हुए पहुंची। उसने कहा कि अब आप बाहर आए हैं तो जल्द ही केजरीवाल भी बाहर आएंगे। कुछ लोग वेलकम बैक सिसोदिया के पोस्टर के साथ उनका स्वागत कर रहे थे। पदयात्रा के दौरान लोगों में जमकर उत्साह देखने को मिल रहा था। सिसोदिया भी लोगों से खूब बात करते रहे। मनीष सिसोदिया पदयात्रा के दौरान दुकानों पर जा जाकर लोगों से मिल रहे थे। उसी दौरान वे एक आइसक्रीम की दुकान के पास पहुंचे। वहां एक बुजुर्ग ने उन्हें गले लगाते हुए कहा कि आज वनवास खत्म हुआ। उसके बाद वह एक आइसक्रीम पार्लर के अंदर घुसे। वहां दुकान पर मौजूद महिला ने उन्हें आइसक्रीम खाने के लिए दिया। मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज समेत अन्य आप कार्यकर्ता वहां रुककर आइसक्रीम खाकर आगे बढ़े। इस दौरान काफी संख्या में लोग उनके साथ थे। पूर्व उपमुख्यमंत्री दिल्ली सरकार मनीष सिसोदिया ने कहा, पदयात्रा के दौरान आज एक बहन ने मुझे राखी बांधी। यह मेरे लिए बहुत ही भावुक पल था। मैं 17 महीनों तक इन लोगों से दूर रहा लेकिन, इनके प्यार में जरा भी कमी नहीं आई। आप के प्यार और दुआओं के लिए धन्यवाद। जनता कह रही है कि वह सरकार के कामों से बेहद खुश है।

हाईकोर्ट ने कहा, गायों को जहरीला कचरा नहीं खाने दे सकते ....

नईदिल्ली , एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह शहर के निवासियों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है। मवेशियों को जहरीला कचरा खाने की इजाजत नहीं दी जा सकती, क्योंकि इससे वे स्वस्थ दूध नहीं दे पाएंगे। कोर्ट ने कहा कि हम अगली पीढ़ी के लिए डेयरियों के बुनियादी ढांचे का विकास करने को बाध्य हैं। गायों को जहरीला कचरा खाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। हमारा ध्यान किसी भी चीज से ज्यादा नागरिकों के स्वास्थ्य पर है। अदालत ने यह टिप्पणी दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के हजारों नागरिकों के प्रतिरोध के बीच भलस्वा डेयरी कॉलोनी में तोड़फोड़ को अस्थायी रूप से रोकने पर की। हाईकोर्ट ने डेयरी क्षेत्र में चल रही एक आवासीय कॉलोनी पर कड़ी आपत्ति जताई। अदालत ने कहा कि डेयरी कॉलोनियों में भारी अतिक्रमण और अवैध निर्माण है। जब गायें जहरीला कचरा खाने लगेंगी, तो वे स्वस्थ दूध नहीं देंगी। अगर कालोनी वासी एमसीडी की कार्रवाई (तोड़फोड़) से व्यथित हैं, तो एमसीडी के लिए अपीलीय न्यायाधिकरण में जाएं। इन लोगों को डेयरियों से कोई सरोकार नहीं है। उन्हें केवल अपनी संपत्तियों से मतलब है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन एवं न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोड़ा की पीठ ने कहा कि हम दिल्ली के नागरिकों के स्वास्थ्य के बारे में चिंतित हैं। उच्च न्यायालय ने भलस्वा में कुछ व्यक्तिगत डेयरी मालिकों को ध्वस्तीकरण से 9 अगस्त को दी गई अंतरिम सुरक्षा को 23 अगस्त तक बढ़ा दिया।

चाहे तो मुझे जेल में डाल दो... नोएडा के मॉल में मिले बेंगलुरु के शख्स ने बताया क्यों रहा 10 दिन तक गायब

नईदिल्ली , एजेंसी। बेंगलुरु का रहने वाला एक युवक पिछले 10 दिनों से लापता था। पत्नी ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, सोशल मीडिया पर लाइव जाकर मदद की पति को ढूंढने के लिए मदद की गुहार भी लगाई लेकिन कुछ पता नहीं चला। हालांकि 10 दिन बाद बेंगलुरु पुलिस ने यह गुत्थी सुलझा ली है। दरअसल बेंगलुरु का यह लापता शख्स पुलिस को नोएडा के एक मॉल में घूमता हुआ मिला। उसने बताया कि वह खुद अपनी मर्जी से घर छोड़कर आया। इसके पीछे उसने पुलिस को जो कारण बताया वह हैरान करने वाला था।

दरअसल विपिन गुप्ता नाम का यह शख्स बेंगलुरु में टेक प्रोफेशनल है। उसे आखिरी बार 4 अगस्त को देखा गया था। उसके लापता होने के बाद उसके एटीएम से एक लाख से ज्यादा की रकम भी निकाली गई थी। ऐसे में उसकी पत्नी ने उसको किडनैप किए जाने की आशंका जताई थी। पत्नी की शिकायत पर पुलिस विपिन की तलाश में जुट गई। विपिन का फोन गायब होने के बाद से ही बंद था, ऐसे में पुलिस उसकी लोकेशन ट्रेस नहीं कर पा रही थी। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट के सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले गए, लेकिन कुछ पता नहीं चला। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक विपिन ने नोएडा में एक नई सिम खरीदकर अपने पुराने फोन में डाली, तब जाकर पुलिस विपिन को ट्रेस कर सकी। रिपोर्ट

के मुताबिक, जैसे ही पुलिस को विपिन के नोएडा में होने की सूचना मिली, तीन पुलिसकर्मियों की एक टीम भी नोएडा पहुंच गई। जब विपिन मॉल से बाहर निकल रहा था, तभी तीनों ने पुलिसकर्मियों ने उसे देख लिया। विपिन समझ गया कि यह तीनों सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी है। जब पुलिसकर्मियों ने उससे वापस चलने को कहा तो उसने साफ इनकार कर दिया। उसने कहा, आप चाहें तो मुझे जेल में डाल दीजिए, मैं वहां रह लूंगा, लेकिन वापस नहीं जाऊंगा। विपिन के मुताबिक, उसकी पत्नी उसे काफी परेशान और प्रताड़ित करती है। इसी के चलते वह वहां से भाग गया था। उसने कहा, मैं उसका दूसरा पति हूं। तीन साल पहले मैं जब उससे मिला तब वह तलाकशुदा थी और उसकी 12 साल की बेटी भी थी। मैं कुंवारा था और उससे शादी करने के लिए तैयार हो गया था। हमारी एक आठ महीने की बेटी भी है। विपिन ने कहा, वह मेरी आजादी छीनती है।

नासा समर्थित संगठन पहला 'मीथेन' उपग्रह लॉन्च करेगा

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा और ब्लूबर्ग समर्थिक एक संगठन अंतरिक्ष में ग्रहों को गर्म करने वाली मीथेन गैस के रिसवा का पता लगाने के लिए अपना पहला उपग्रह लॉन्च करेगा। स्पेसएक्स ट्रांसपोर्टर-11 राइडशेयर मिशन पर लॉन्च, कार्बन मैपर एक मील का पत्थर हो रहा है, जिसे 2021 में बनाया गया था। नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला, उपग्रह फर्म प्लैनेट लैब्स, आरएमआई और एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी इसके साझेदारों में शामिल हैं। जबकि हाई टाइड फाउंडेशन, ब्लूमबर्ग फिलैंथ्रोपीज, पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रांथम फाउंडेशन, जेगर फैमिली फाउंडेशन और चिल्ड्रेन्स इन्वेस्टमेंट फंड फाउंडेशन के द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त है। टैनेजर-1 नामक उपग्रह, तेल रिफाइनरियों और लैंडफिल से मीथेन रिसाव का पता लगाने में सक्षम होगा। यह तकनीक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की लीक ढूंढने और प्लग करने में मदद करने के लिए है। साथ ही इसका डेटा एक सार्वजनिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध होगा। लॉन्च करने की योजना बनाई है, जो संयुक्त रूप से प्रतिदिन दुनिया के 90त्न बड़े मीथेन प्लम को ट्रैक करने में सक्षम होंगे।

गाजा युद्धविराम वार्ता रुकी, इजरायली सेना ने फिर क्षेत्र खाली करने का दिया आदेश

दोहा , एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के लिए दोहा में गुरुवार को शुरू हुई गाजा युद्धविराम वार्ता शुक्रवार को रुक गई। अब यह अगले हफ्ते फिर प्रारंभ होगी। अमेरिका ने कहा कि गुरुवार की वार्ता रचनात्मक रही। वार्ता के बीच इजरायली सेना ने शुक्रवार को दक्षिणी और सेंट्रल गाजा में ताजा आदेश जारी कर लोगों से क्षेत्र खाली करने को कहा है।

वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन रविवार को इजरायल पहुंचेंगे, वह सोमवार को पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। गाजा वार्ता के परिणाम पर पश्चिम एशिया के शुभचिंतकों के साथ बंधकों के परिवार के लोग भी आस लगाए हुए हैं।

मध्यस्थों ने कहा कि वह वार्ता की प्रगति को लेकर हमास को लगातार जानकारी दे रहे हैं, क्योंकि वह इसमें प्रत्यक्ष भाग नहीं ले रहा है। गाजा समझौता वार्ता को लेकर अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के प्रवक्ता जान किर्बी ने कहा कि यह एक अहम वार्ता है, इस प्रक्रिया को पूरा करना हमारा लक्ष्य है। दूसरी ओर, वार्ता के बीच इजरायली आक्रमकता

कम नहीं हुई है।

इजरायली सैनिकों ने दक्षिणी गाजा के शहर रफाह और खान यूनिस में हमला जारी रखा। हमास ने आरोप लगाया है कि इजरायल लगातार वार्ता को बाधित करने की कोशिश कर रहा है। इजरायली सेना ने शुक्रवार को दक्षिणी गाजा और सेंट्रल गाजा के उन क्षेत्रों को खाली करने को कहा है जो अब तक मानवाधिकार सुरक्षित जोन घोषित थे। इजरायल ने कहा है कि इस क्षेत्र का इस्तेमाल हमास लड़ाके मोर्टार और राकेट रखने के लिए कर रहे हैं। यह चेतावनी ऐसे समय जारी की गई कि जब दोहा में दूसरे दिन की वार्ता शुरू होने वाली थी। गाजा की करीब 23 लाख की आबादी में से अधिकांश लोग कई बार विस्थापित हो चुके हैं। इजरायल आरोप लगा रहा है कि हमास लड़ाके अब नागरिकों के बीच ठिकाना बना रहे हैं इसलिए क्षेत्र को खाली करने के आदेश दिए जा रहे हैं। गाजा ही नहीं इजरायल के कब्जे वाला वेस्ट बैंक भी जंग की तपिश झेल रहा है। वेस्ट बैंक में काल्किल्या शहर के पास दर्जनों इजरायली निवासियों ने एक फलस्तीनी गांव पर हमला कर एक कार में आग लगा दी। इससे एक फलस्तीनी की मौत हो गई। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि हमले में एक की हालत गंभीर है।

न्यूयॉर्क में भारत दिवस परेड में राम मंदिर की झांकी पर विवाद, भड़के मुस्लिम संगठनों ने लिखी चिट्ठी

न्यूयॉर्क , एजेंसी। फ्लोट में हिंदू देवता भगवान राम का मंदिर दिखाया गया है। इस साल भारत के अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन किया गया है और उस दौरान भी पूरे अमेरिका के मंदिरों में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। लेकिन राम मंदिर स्थल, लंबे समय से हिंदुओं और मुसलमानों के बीच कटु विवाद का मुद्दा रहा है, और 1990 के दशक की शुरुआत में वहां मौजूद एक मस्जिद को तोड़ दिया गया था। कुछ अमेरिकी संगठनों ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स और न्यूयॉर्क के गवर्नर कैथी होचुल को पत्र लिखकर, इस झांकी को मुस्लिम विरोधी बताया है, और कहा है कि यह मस्जिद को गिराए जाने का महिमामंडन करती है। पत्र पर साइन करने वाले समूहों में काउंसिल ऑन अमेरिकन इस्लामिक रिलेशंस, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल और हिंदू फॉर ह्यूमन राइट्स शामिल हैं।

तुर्किये की संसद में 30 मिनट तक चले लात-घूंसे, 3 विपक्षी नेता घायल

एर्दोगन की पार्टी को आतंकी संगठन कहने पर हुआ बवाल

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये की संसद में शुक्रवार को जमकर मारपीट हुई। सांसदों ने एक दूसरे पर लात-घूंसे चलाए। यह मारपीट करीब 30 मिनट तक चली। इसमें 3 विपक्षी सांसद घायल हो गए। वीडियो फुटेज में स्पीकर के पोडियम की सीढ़ियों पर खून के छींटे भी नजर आए। दरअसल, एक विपक्षी सांसद ने तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन की पार्टी को आतंकवादी संगठन कह दिया। इस पर एर्दोगन की जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी के एक नेता ने विपक्षी नेता अहमद सिक पर हमला कर दिया। लड़ाई बढ़ती चली गई और सांसद एक-दूसरे पर मुक्के बरसाने लगे। इस घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। तुर्किये की संसद में शुक्रवार को एक स्पेशल सेशन की बैठक हो रही थी। इसमें एक सांसद कैन अताले को लेकर

चर्चा चल रही थी। अताले ने 2013 में एदोर्गन सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था जिसमें खूब हिंसा हुई थी। इसके बाद अताले को गिरफ्तार कर लिया गया था।

अताले 2013 से ही जेल में हैं। उन्हें साल 2022 में 18 साल की सजा सुनाई गई थी। पिछले साल मई में हुए चुनाव में अताले ने जीत हासिल की थी। वे वामपंथी आईटीपी पार्टी से सांसद बने। इसकी संसद में तीन सीटें हैं। इसके बाद अर्दोगन की पार्टी ने एक बिल लाकर अताले की संसद सदस्यता खारिज करा दी।

इस फैसले के खिलाफ कोर्ट में अपील की गई। 1 अगस्त को तुर्किये सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया जिसमें संसद के फैसले को पलट दिया गया। अताले फिर से सांसद बन गए। कोर्ट ने सांसद के रूप में उनके सभी अधिकारों को बहाल कर दिया।

अदालत ने सांसद को रिहा करने का आदेश दिया

अदालत ने अताले को जेल से रिहा करने का भी आदेश दिया। दरअसल अताले ने अदालत में अपील की थी कि जेल में रहने के कारण अपने इलाके का काम नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें 5 साल के लिए जेल में रहने से छूट दी जाए। वे अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद वापस जेल चले जाएंगे। अदालत ने उनकी मांग मान ली।

संसद में अदालत के इसी फैसले पर बहस चल रही थी। अताले की ही पार्टी के नेता अहमद सिक भाषण दे रहे थे। उन्होंने कहा, हमें इस बात पर हैरानी नहीं है कि सत्ताधारी पार्टी के कई सांसद अताले को आतंकवादी कहते हैं। दरअसल आप उन सभी को आतंकी कहते हैं जो आपके खिलाफ बोलते हैं, लेकिन सबसे बड़े आतंकी तो आप लोग हैं सांसद बनकर यहां बैठे हैं। आपकी पार्टी आतंकियों की पार्टी है। उनकी इस बात से संसद में हंगामा शुरू हो गया। हाथापाई के चलते संसद की कार्रवाई पर रोक लगा दी गई।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।